प्रयोगशाला क्षेत्र

का

विद्यालय मानचित्रांकन

मार्गदर्शक

जीवनराम जीनगर

प्रधानाचार्य

नाथूलाल शाह

संपादक एवं प्रभागाध्यक्ष

अब्दुल रहमान बेली

प्राध्यापक एवं प्रभारी

सन्दर्भ तिथि

31-3-1995

: प्रकाशक :

योजना एवं प्रबन्ध प्रभाग

एवं प्रशिक्षण संस्थान, डूँगरपुर (राजस्थान)

दूरभाष 2535

54412

371.62

DUN-P

- 54412
371.62
DUN - P

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No D-9216
Date 24.7.96

आमुख

यह चिन्ता का विषय हैं कि हम शिक्षा सम्बन्धी संवैधानिक दायित्व का आज तक पूर्ण रुप से निर्वहन नहीं कर पाये हैं। संविधान की धारा 45 के अनुपालना में हमें दस वर्ष की अवधि में 6-14 आयु वर्ग के समस्त बालक / बालिकाओं को अनिवार्यत: शिक्षा से जोड़ना था, परन्तु खेद हैं कि संविधान के लागू होने के 45 वर्ष गुजरने के पश्चात् भी हम शत प्रतिशत बालक / बालिकाओं को शिक्षा की सुविधा उपलब्ध नहीं कर पाये है । इसके अलावा जिनको शिक्षा की सुविधा उपलब्ध भी हुई. उनके लिए भी स्तर की शिक्षा हेतु आवश्यक परिस्थितियों का सृजन नहीं कर पाये हैं । इसका कारण यह हैं कि हम राष्ट्रीय स्तर मानदण्डों का निर्धारण कर उपर से बनाई गई योजनाओं को क्रियान्वित करने का प्रयास करते रहे हैं। स्थानीय परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में चिन्तन के अभाव में शिक्षा की सुविधा सब तक पहूंचाने की व्यवस्था नहीं हो पाई और लोंगों ने भी इसकी आवश्यकता महसूस नहीं की । इस समस्या के समाधान के लिए विद्यालय मानचित्रांकन कर शिक्षा को सुविधा जुटाना व्यावहारिक उपाय प्रतीत होता है।

प्रत्येक डाईट से सम्बद्ध एक प्रयोगशाला क्षेत्र हैं जिसमें शिक्षा के प्रसार एवं उन्नयन के विविध कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया जाता हैं। इस कार्यक्रम में संस्थान के 'योजना एवं प्रबन्ध प्रभाग' द्वारा इस क्षेत्र का विद्यालय मानचित्रांकन कर यह प्रकाश में लाने का प्रयास किया गया हैं कि क्षेत्र में शिक्षा सुविधा की उपलब्धता की वर्तमान स्थिति क्या हैं तथा इस दृष्टि से अब क्या प्रयास अपेक्षित हैं। प्रभाग का यह प्रयास स्तुत्य हैं।

प्रयोगशाला क्षेत्र के विद्यालय मानचित्रांकन का कार्य कठिन था, परन्तु योजना एवं प्रबन्ध प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री नाथूलाल शाह एवं उनके सहयोगी श्री अब्दुल रहमान बेली द्वारा परिश्रमपूर्वक इस कार्य को सम्पादित किया है। एतदर्थ मैं उन्हे धन्यवाद देना अपना कर्तव्य समझता हूँ।

जीवनराम जीनगर
प्रधानाचार्य
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
डूँगरपुर

आभार

किसी भी कार्य की सफलता के लिए योजनाबद्ध ढंग से प्रयास करना श्रेष्ठतम तरीका माना गया है। परन्तु उपर से तैयार की गई योजना की पूर्ण सफलता संदिग्ध रहती हैं। इसका कारण यह हैं कि इसमें स्थानीय समस्याओं का ध्यान रखना सम्भव नहीं होता है, और लोग इसे थोपा हुआ या किसी और का कार्य समझते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में भी यही हुआ। विद्यालयों की संख्या में उपार वृद्धि हुई और विशाल धनराशि व्यय की गई, परन्तु हम अपने उद्देश्य में पूर्ण रूप से सफल नहीं हो पाये। न तो सभी बालक / बालिकाओं को विद्यालय की परिधि में ला सके और न ही अच्छी शिक्षा की व्यवस्था कर सके। स्थानीय परिस्थितियों के अनुरुप विद्यालय नहीं खोल पाने के कारण कई बस्तियों के 3-4 किमी. की दूरी तक प्राथमिक शिक्षा की सुविधा की उपलब्धता आज भी नहीं हैं और जो विद्यालय हैं उनमें भी आवश्यक सुविधाओं का अभाव हैं। इस स्थिति से निपटने का एक मात्र उपाय है— विद्यालय मानचित्रांकन कराना और उसके निष्कर्षों के आधार पर शैक्षिक सुविधाओं की उपलब्ध कराना।

संस्थान अपने प्रयोगशाला क्षेत्र में शिक्षा क प्रसार एवं उन्नयन हेतु विविध गतिविधियों का आयोजन करता हैं। इसी सन्दर्भ में यह चिन्तन उभरा कि क्षेत्र में शत प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य प्राप्त करने एवं शिक्षा में गुणात्मक सुधारहेतु विद्यालय मानचित्रांकन किया जाय तथा विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों को क्षेत्र की अपेक्षित शैक्षिक आवश्यकताओं से अवगत कराया जाय। आशा हैं कि यह प्रयास उपयोगी सिद्ध होगा।

प्रयोगशाला क्षेत्र के विद्यालय के मानचित्रांकन की प्रेरणा एवं इस कार्य में मार्गदर्शन के लिए मैं संस्थान के प्रधानाचार्य श्री जीवनराम जीनगर के प्रति आभार प्रदर्शित करना अपना कर्तव्य समझता हूँ। इस काय के सम्पादन में प्रभाग सहयोगी श्री अब्दुल रहमान बेली का सराहनीय योग रहा। अतः मैं उन्हे भी धन्यवाद दिये बिना नहीं रह सकता हूँ। अंत में सस्थान के अन्य साथी एवं क्षेत्र के शिक्षकगण जिनका इस कार्य में अमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ, उन्हे भी मैं विस्मृत नहीं कर सकता हूँ।

नाथूलाल शाह
प्रभागाध्यक्ष
योजना एवं प्रबन्ध प्रभाग

-अनुक्रमणिका-

क्र० सं०	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
1-	विद्यालय मानचित्रांकन की अवधारणा एवं आवश्यकता	1-3
2-	प्रयोगशाला क्षेत्र का विद्यालय मानचित्रांकन - क्यों और कैसे ?	4-5
3-	प्रयुक्त उपकरण	6
4-	प्रयोगशाला क्षेत्र का तत्थात्मक विवरण	7-17
5-	वर्तमान विद्यालयों का विश्लेषणात्मक विवरण	18-26
6-	नयी शिक्षण संस्थाओं की स्थापना	27-30
7-	विद्यालयों की क्रमोन्नति	30-31
8-	सार संक्षेप	32-36

परिशिष्ठ-

1-	विद्यालय खोलने एवं क्रमोन्नति हेतु मानदण्ड	37-38
2-	विद्यालय सूचना प्रपत्र	39-42
3-	प्राथमिक विद्यालय में आवश्यक सामग्री की उपलब्धता	43-44
4-	गृहस्थीवार सर्वे प्रपत्र	45-47
5-	सर्वे सारांश प्रपत्र 1--3	48-49
6-	प्रस्ताव प्रपत्र 1--8	50
7-	मानचित्र (पंचायतवार)	50-52

विद्यालय मानचित्रांकन की अवधारणा एवं आवश्यकता

विद्यालय मानचित्रांकन शिक्षा के क्षेत्र में सूक्ष्म स्तरीय योजना निर्माण प्रक्रिया है । स्थानीय स्तर पर शिक्षा की योजना निर्माण की प्रक्रिया को विद्यालय मानचित्रांकन कहा जाता हैं । इसमें उन स्थानों एवं समुदायों की पहिचान करने की प्रक्रिया सन्निहित हैं जहां प्रस्तावित शिक्षा योजना में शिक्षा सुविधाऐं जुटाया जाना हैं । इसके अन्तर्गत शिक्षा सुविधाओं को इस तरह से स्थापित करने का व्यस्थित प्रयास किया जाता है जिससे लक्ष्यांकित जन संख्या उनका अधिकतम उपयोग कर सकें । सुविधाऐं उप लब्ध कराने की दृष्ट से सामान्यतया राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय मानदडों का अनुशरण करना होता है, परन्तु स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के संदर्भ में कुछ सीमा तक विचलन हो सकता है । इसमें सब तक शिक्षा की पहुच बनाने के लिए औपचारिक प्रारम्भिक शिक्षा के साथ साक्षरता, उत्तर साक्षरता, अनौपचारक शिक्षा आदि के पक्ष भी सम्मिलित किये जा सकते है । योजना निर्माण से स्थानीय लोगों की सहभागिता चर्चाओं के माध्यम से सुनिश्चित को जाती है ।

विद्यालय मानचित्रांकन में शिक्षा के प्रसार हेतु नवीन स्थलों पर शिक्षा सुविधाओं को उपलब्ध कराने पर विचार नहीं किया जाता हैं, अपितु अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने की दृष्टि से वर्तमान में उपलब्ध शिक्षा सुबिधाओं में सुधार के पक्ष पर भी ध्यान दिया जाता हैं । इस हेतु इसमें निम्न कार्य किया जाता हैं—

1– वर्तमान सुबिधाओं का रेशनेलाईजेशन

(i) शिक्षण संस्थाओं का स्थान बदलना, बंद करना या मिलाना ।
(ii) स्टॉफ का अधिकतम उपयोग
(iii) भवन, फर्नीचर, साधनों का अधिकतम उपयोग

2– नवीन । अतिरिक्त सुविधाओं की व्यवस्था

(i) नवीन शिक्षण संस्थाओं को खोलना अथवा वर्तमान संस्थाओं को क्रमोन्नत करना
(ii) वर्तमान संस्थाओं में अतिरिक्त स्टॉफ को व्यवस्था करना ।
(iii) अतिरिक्त भवन, फर्नीचर, साधनों की व्यवस्था करना ।

मानचित्रांकन के कार्य की अधोलिखित चार चरणों के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है–

अ– वर्तमान स्थिति का निदानात्मक विश्लेषण

इस चरण में वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह पता लगाने का प्रयास किया जाता हैं कि वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था शिक्षा नीति के लक्ष्यों की संपूर्ति की दृष्टि से कहां तक अनुकूल है । वर्तमान स्थिति की जानकारी हेतु जनसंख्या, शैक्षिक व्यवस्था, भौगोलिक स्वरुप, यातायात की सुविधा एवं अन्य सेवाओं की स्थिति आदि की सूचनाऐं एकत्रित की जाती है । इस चरण की क्रियान्विति की दृष्टि से निम्न सोपानों का अनुसरण किया जाता हैं—

(i) विद्यालयों, गाँवों एवं बस्तियों का व्यापक शैक्षिक सर्वेक्षण करना
(ii) क्षेत्र का नक्शा तैयार करना जिसमें शैक्षिक एवं अन्य सुविधाओं, धरातल का स्वरूप; यातायात मार्ग आदि प्रदर्शित हैं ।
(iii) मानदण्डों के सन्दर्भ में वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करना । इस विश्लेषण के माध्यम

— विद्यालय रहित गांव/बस्तियां
— निम्नांकित किये जाने वाले छात्र संख्या

— प्रत्येक विद्यालय का केचमेन्ट एरिया
— अनार्थिक विद्यालय
— बंद किये जाने, वाले स्थानान्तरित या सम्मिलित किये जा सकने वाले विद्यालय
— स्टॉफ की न्यूनता/अधिकता की सीमा
— भवन, फर्नीचर एवं साधनो की दशा, प्रयोग एवं आवश्यकता

ब- भावी आवश्यकताओं का पुर्वानुमान इसके दो सोपान है—

(i) नामांकित किये जाने वालों का अनुमान प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की दृष्टि से प्रत्येक गांव के नामांकन का अनुमान निर्धारित सूत्र के आधार पर किया जाता हैं ।

(ii) वर्तमान विद्यालयों की क्षमता एवं उनके केचमेन्ट एरिये का निर्धारण

प्रत्येक विद्यालय के क्षमता का निर्धारण किया जाता है ताकि ज्ञात हो सके कि उसमें नामांकन क्षमता से अधिक हैं या कम । इसका निर्धारण उपलब्ध अध्यापक, कमरों की संख्या एवं प्रति छात्र के लिए आवश्यक स्थान के आधार पर किया जाना हैं ।

स- संभावित मानचित्र बनाना—

क्र. सं अ, ब, स के आधार पर ऐसा संभावित मानचित्र बनाया जाता है जिसमें निम्न सूचनाऐं प्रदर्शित की जाती है—

(i) गांव/बस्ती जहां नये विधालय स्थापित किये जाने हैं । वर्तमान विधालयों को क्रमोन्नत किये जाना अपेक्षित है ।
(ii) प्रत्येक विधालय का केचमेंट एरिया
(iii) यातायात मार्ग, धरातलीय स्वरूप एवं अन्य सुविधाऐं
(iv) बन्द किये जाने वाले स्थानान्तरित किये जाने वाले या सम्मिलित किये जाने वाले विधालय
(v) संसाधनों की अधिकता/कमी वाले विधालय

द- प्राथमिकता निर्धारित करना—

क्र. सं. 'स' को ध्यान में रखते हुए स्थान जहाँ नये विद्यालय खोले जाने हैं या वर्तमान विद्यालयों को क्रमोन्नत किया जाना है, की प्राथमिकता की पहिचान की जाती हैं, तथा प्राथमिकता के आधार पर उन्हें सूची बद्ध किया जाता हैं।

विद्यालय मानचित्रांकन के कार्य को सम्पादित करने के लिए इकाई जिसका मानचित्रांकन किया जाना हैं, स्पष्ट करना होता है । सुविधा के लिए प्रत्येक जिले को एक इकाई मानना उपयुक्त रहता हैं। इसमें क्षेत्रिक उप इकाईयों का निर्धारण किया जाता है । इन उप इकाईयों को भी समूह क्षेत्र (Cluster) में विभाजित किया जाता है । उपरोक्त समस्त कार्य समूह क्षेत्र पर स्तर पर सम्पन्न किया जाता हैं । प्रत्येक स्तर पर जन सहभागिता सुनिश्चित की जाती है ।

विधालय मानचित्रांकन की आवश्यकता क्यों हैं ? राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दस्तावेज में इस बात पर चिन्ता व्यक्त की गई है कि आजादी प्राप्ति के पांचवे दशक तक भी हम न तो सभी को शिक्षा से जोड़ पाये और न ही अच्छे स्तर की शिक्षा की व्यवस्था कर पाये । इसका कारण यह रहा कि समस्त शिक्षा योजनाएं उपर से आती रही । राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर निर्धारित मानदण्डों में क्षेत्रीय एवं सामाजिक असमानताओं का ध्यान नही रखा गया । फलस्वरूप इन योजनाओं का स्थानीय स्तर पर व्यावहारिक स्वरूप कम रहा । इसके अलावा योजना निर्माण प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी नही होने से शिक्षा को अपनी आवश्यकता की वस्तु न मानकर इसे थोपा हुआ एवं सरकार के हित का कार्य मान

लिया गया। परिणाम स्वरूप कई लोगों तक शिक्षा की सुविधा पहुंच नही पाई और कई लोगों ने शिक्षा की सुविधा होते हुए भी स्वयं को दूर रखा। यही नही, कई स्थानों पर राजनैतिक आधार पर भी विद्यालय खुले या क्रमोन्नत हुए। इस कारण से कहीं पर तो विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों से विद्यार्थियों की संख्या अधिक है तो कहीं कम। संसाधनों की उपलब्धता की कमी शिक्षा की गुणवता को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर विद्यार्थियों की संख्या कम होने पर संसाधनों का अधिकतम उपयोग नही हो पा रहा है। शिक्षा व्यवस्था की इस स्थिति को सुधारने हेतु विद्यालय मानचित्रांकन कारगर उपाय सिद्ध हो सकता हैं। विद्यालय मानचित्रांकन के माध्यम से सुविधायें जुटाने से निम्न लाभ होंगे—

(1) स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकता के अनुरूप विद्यालय खोलने / क्रमोन्नति योग्य स्थलों की पहिचान हो सकेगी।

(2) अनार्थिक विद्यालयों को बंद करने, स्थानान्तरित करने या मिलाये जाने की जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।

(3) संसाधनों का अधिकतम उपयोग होगा।

(4) मानचित्रांकन में लोगों की सहभागिता होने से वे शिक्षा को अपनी आवश्यकता समझेंगे। परिणाम स्वरूप नामांकन एवं विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

इस प्रकार शैक्षिक अवसरों की समानता का लक्ष्य पूरा करने के लिए एवं शिक्षा की गुणवत्ता प्राप्ति में बाधक समस्याओं के समाधान हेतु विद्यालय मानचित्रांकन कर सुविधाऐं जुटाना आवश्यक है।

प्रयोग शाला क्षेत्र का विद्यालय मानचित्रांकन क्यों और कैसे

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अनुशंषानुसार शिक्षा के प्रसार एवं उन्नयन हेतु जिला स्तर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना की गई है । जिला शिक्षा एबं प्रशिक्षण संस्थान का प्रमुख कार्य जिले के शैक्षिक उन्नयन हेतु शिक्षको को विविध आयामों का नियमित प्रशिक्षण प्रदान करना हैं। इसकी भूमिका में कतिपय अन्य पक्ष भी जोड़े गये हैं यथा अनुसंधान, नवाचार, प्रसार एवं मार्गदर्शन इससे अपेक्षा की गई हैं कि जिला शिक्षा बोर्ड को आवश्यक शैक्षिक सुझाव देवे तथा उसे जिले के विद्यालय मानचिज्ञांकन में सहयोग करें, परन्तु अभी तक जिला शिक्षा बोडं की स्थापना नही होने उक्त कार्य सम्पन्न नही हो पाया है ।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान से यह भी अपेक्षा की गई है कि वह प्रयोग शाला क्षेत्र में शैक्षिक प्रसार एवं उन्नयन हेतु अनुसंधान, नवाचार एवं प्रयोजनाओं की क्रियान्विति करे ताकि इससे इस क्षेत्र का शैक्षिक विकास हो सके तथा प्राप्त अनुभवों को जिले के अन्य अंचलों तक पहुंचाया जाय। इसी सन्दर्भ में प्रयोग शाला क्षेत्र के विधालय मानचित्रांकन सन्पन्न करने का निर्णय लिया गया ।

प्रयोग शाला क्षेत्र के बिधालय मानचित्रांकन का कार्य चुनौतिपूर्ण एवं कठिन था। संस्थान के व्यक्ति द्वारा अकेले इसे अपने स्तर पर सम्पन्न करना असंभव एवं अव्यवहारिक था क्योंकि क्षेत्र के प्रत्येक अंचल की इन्हें न तो जानकारी थी और न ही उन अंचलों के लोगों से उनका कोई घनिष्ठ सम्पर्क था । यह कार्य ऐसे व्यक्तियों के माध्यल से कियr जाना अपेक्षित था जो अंचलों की परिस्थितियों तथा लोगों की आवश्यकताओं से परिचित हो तथा जिनसे लोग खुलकर बात कर सकें। ऐसे व्यक्ति क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक ही थे। वैसे क्षेत्र में अन्य कर्मचारी भी उपलब्ध थे, परत्तु उन्हे शैक्षिक पहलुओं की जानकारी न होने से इन्हें इस कार्य में सम्बद्ध करना उपयुंक्त नही था । अतः यह कार्य क्षेत्र में कार्यरत विधालय प्रधानो के माध्यम से सम्पन्न कराना व्यावहारिक समझा गया ।

कार्य को सुचारू रूप से सम्पा दित करने की दृष्टि से प्रयोग शाला क्षेत्र के प्रा. वि. / उ प्रा. वि. के प्रधानों के प्रशिक्षण हेतु संस्थान में दिनांक 23-2-95 से 25-2-95 तक विद्यालय मानचित्रांकन प्रशि क्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विद्यालय मानचित्रांकन की अवधारणा एबं आवश्यकता, प्रयोग शाला क्षेत्र के लिए उसकी उपयोगिता और प्रक्रिया के सम्पन्न में वार्ताएं आयोजित की गई । संभागियों की सहमति से कार्य पद्धति निर्धारित की गई तथा समय बद्ध कार्यक्रम निश्चित किया गया । प्रयुक्त किये जाने वाले उपकरणों/प्रपत्रो के उपयोग की विधि स्पष्ट की गई ।

सम्पूर्ण प्रयोग शाला क्षेत्र को चार संकुल (पंचायत) क्षैत्रों में विभाजित किया गया, तथा प्रत्येक क्षेत्र में अवस्थित उ० प्रा० वि० के प्रधान को प्रभारी बनाया गपा । प्रत्येक विधालय का केचमेंट एरिया निर्धारित किया गया। तथा विद्यालय स्तर संकुल स्तर एवं संस्थान स्तर पर करणीय कार्य निम्नानुसार निश्चित किया गया ।

विद्यालय स्तर पर—

1– प्रत्येक विद्यालय द्वारा अपने विद्यालय सम्बन्धी सूचना निर्धारित प्रपत्र में भरना

1 मार्च 95

2– प्रत्येक विद्यालय द्वारा अपने केचमेंट एरिया का नक्शा बनाकर उसमें विभिन्न बस्तियों, मार्गो, विद्या-

लय की स्थिति एवं बस्तियों की इससे दूरी पहुंच को बाधक धरातलीय अवरोधों को अंकित करना।

3 मार्च 95

3– मानक प्रपत्रों के माध्यम में केचमेंट एरिया में पारिवारिक सर्वे कर आँकड़ों का विश्लेषण करना ।

10 मार्च 95 से 20 मार्च 95 तक

4– सर्वे, निर्धारित मानदण्ड एवं स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नये विद्यालय साक्षरता केन्द्र, अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र, बन्द किये जाने वाले । शिफ्ट किये जाने वाले विद्यालय क्रमोन्नति योग्य विद्यालय आदि के प्रस्ताव निर्धारित प्रपत्रों में तैयार करना।

30 मार्च95

5– वर्तमान में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं एवं प्रस्तावित शैक्षिक सुविधाओं का सम्भावित मानचित्र निधारित संकेतों का प्रयोग करते हुए बनाना।

5 अप्रेल 95

संकुल (पंचायत) स्तर पर—

विद्यालय स्तर सम्पन्न कार्यो को समग्रित कर आपसी विचार विमर्श द्वारा संकुलवार उपरोक्त क्र. सं. 2, 3, 4, 5 के कार्यो को सम्पन्न करना।

10 अप्रेल 95

संस्थान स्तर पर—

संस्थान में प्रयोग शाला क्षेत्र के संस्था प्रधानों की कार्य गोष्ठी आयोजित कर विद्यालय स्तर एवं संकुल स्तर पर सम्पादित कार्य के रेकार्ड देखकर एवं आपसी विचार विमर्श कर प्रयोग शाला क्षेत्र का समेकित रूप से विद्यालय मानचित्रांकन का कार्य सम्पन्न करना।

12 अप्रेल 95 से 15 अप्रेल 95

विद्यालय स्तर एवं संकुल स्तर पर निर्धारित दिनांकों को सम्पन्न किया गया, परन्तु किन्हीं अपरिहार्य कारण से संस्थान स्तर पर सम्पादित किया जाने वाला कार्य निर्धारित दिनांकों को सम्पादित नही हो पाया। इसे दि० 22–5–95 से 23–5–95 तक सम्पादित किया गया ।

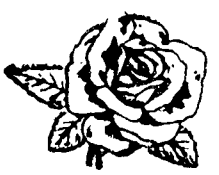

प्रयुक्त उपकरण

विद्यालय मानचित्रांकन कार्य सम्पन्न करने हेतु कतिपय उपकरणों की आवश्यकता थी। उपकरणों में मानचित्रों एवं प्रपत्रों का प्रयोग किया गया। मानचित्र विद्यालय स्तर, संकुल स्तर एवं संस्थान पर तैयार किये गये। प्रपत्रों को संस्थान ने अपने स्तर पर तैयार किये तथा उन्हे मुद्रित/चक्रांकित कर प्रयोग शाला क्षैत्रो के संस्था प्रधानों को आवश्यकतानुसार संख्या में प्रशिक्षण के अन्त में उपलब्ध कराये गये। संस्था प्रधानों को प्रत्येक प्रपत्र के बिन्दूओं को स्पष्ट किया ताकि इनके माध्यम से प्राप्त सूचना त्रुटिपूर्ण या अधूरी न हो।

प्रयोग शाला क्षेत्र में विद्यालय मानचित्रांकन कार्य हेतु उपकरण (प्रपत्र) परिशिष्ठ में दिये गये है। उपकरण के रूप में अधोलिखित प्रपत्रों का प्रयोग किया गया :—

क्रम संख्या	प्रपत्र का विवरण	परिशिष्ट क्रमांक
1–	विद्यालय सूचना प्रपत्र	2
2–	पारिवारिक सर्वे प्रपत्र	3
3–	सर्वे सारांश प्रपत्र 1, 2, 3	4
4–	प्रस्ताब प्रपत्र 1 से 8	5

प्रपत्र के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण क्रमश विद्यालय, संकुल एवं संस्थान स्तर किया गया।

विद्यालय स्तर पर केचमेंट एरिया, विद्यालय की स्थिति, विद्यालय से बस्तियों की दूरी व मार्ग को अंकित करते हुए मानचित्र बनवाये गये और इसी पर प्रस्तावित सुविधाओं को दर्शाते हुए संभावित मानचित्र बनवाये गये। विद्यालय स्तर पर निर्मित मानचित्रों के आधार पर संकुल स्तर एवं संकुल स्तर पर मानचित्रों के आधार सम्पूर्ण प्रयोग शाला क्षेत्र का मानचित्र संस्थान स्तर पर निर्मित किया गया। मानचित्रों में प्रयुक्त संकेतों की सूची निम्नानुसार है—

1– प्राथमिक विद्यालय

2– प्रस्तावित प्रा० वि०

3– उ० प्रा० विद्यालय

4– प्रा० वि० जो उ० प्रा० वि० में क्रमोन्नत हेतु प्रस्तावित

5– मा० विद्यालय

6– उ० प्रा० वि० जो मा० वि० में क्रमोन्नति हेतु प्रस्तावित

7– सी० मा० विद्यालय

8– मा० वि० जो सी० मा० वि० में क्रमोन्नति हेतु प्रस्तावित

9– प्रस्तावित अनौ० शि० के

10- कच्ची सड़क .....

1- पक्की सड़क =====

12- पहाड़ /////

13- नाला/नदी

14- तालाब/बांध

15- पंचायत क्षेत्र

16- पंचायत मुख्यालय P

17- राजस्व गांव क्षेत्र .....

18- राजस्व गांव V

19- सघन वस्ती B

20- बिखरी बस्ती H

प्रयोग शाला का तक्ष्यात्मक विवरण

प्रयोग शाला क्षेत्र में 3 पंचायतों का सम्पूर्ण क्षेत्र एवं 2 पंचायतों का एक-एक गांव सम्मिलित हैं जो निम्नानुसार है—

पंचायत—	गांव—
1- पुनालो	सभी गांव
2- कोलखण्डा	,,
3- पाल माण्डव	,,
4- भोजातों का ओडा	कालू गामड़ा
5- राघेला	राघेला

राघेला का सर्वे रेकार्ड उपलब्ध नही हो पाने के कारण इसे विद्यालय मानचित्रांक न में सम्मिलित नहीकिया गया-

जनसंख्या—

क्षेत्र/गांव	परिवार	जन संख्या	अजा	अजजा	वि० वि०	अन्य
पं. पुनाली	1187	6964	406	3225	105	3228
पं. कोलखण्डा	901	5197	356	4151	166	524
पं. पाल माण्डव	547	3350	—	3345	5	—
कालूगामड़ा	90	543	—	519	—	24
पं. (भोजातों का ओडा)	—	—	—	—	—	—
	2725	16054	762	11240	276	3776

उपरोक्त विवरण से निम्न तथ्य उजागर होते है—

(I) क्षेत्र में 70 % जन संख्या अ. ज. जा. वर्ग की है।
(II) पं. पुनाली को छोड़कर शेष क्षेत्र में अन्य वर्ग की जनसंख्या बहुत कम हैं ।

1– धरातलीय स्वरूप–

सम्पूर्ण क्षेत्र पहाड़ी है । पहाड़ों के बीच यत्र तत्र थोड़ी बहुत जमीन समतल मिलती हैं । इस प्रकार के स्वरूप के कारण आवागमन में पहाड़ एवं नाले अवरोधक के रूप में हैं ।

2– बस्ती का स्वरूप–

सघन बस्ती बहुत कम है । अधिकांश लोग छितरी बस्ती में रहते हैं। सामान्यतया मकान पहाड़ियों या उनके दलानों पर बने हुए है ।

3– 6-11 आयू वर्ग के बालक । बालिकाएं

क्षेत्र/गांव	कुल	अध्ययनरत	अध्ययनरत नही		योग
			परित्यागकर्ता	कभी भर्ती नही हुए	
पं. पुनाली	1550	1454	31	65	96
पं. कोलखण्डा	1219	824	127	268	395
पं. पालमाण्डव	593	341	21	231	252
कालूगामड़ा (पं. भोजातों का ओडा)	86	81	1	4	5
	3448	2700	180	568	748

6–11 आयु वर्ग के 21-69% बालक/बालिकाऐं विद्यालय में नामांकित नही हैं । उन्हे औपचारिक विद्यालय/अनौ० शि० केन्द्र से जोड़ने आवश्यकता है ।

4– शिक्षण संस्थाऐं

क्षेत्र/गांव	मा वि.	उ. प्रा. वि.	प्रा. वि
पं. पुनाली	1– पुनाली	3– पुनाली गेहूंबाड़ा, पांतली	3– पुनाली, वाड़ा नयागांव
पं. कोलखंडा	—	3– कोल खडा खास कोल खण्डा पाल जोगीवाड़ा	डूंगरा, बारी, रामा, कुबेरा, समोता का ओडा, माण्डव माईन्स
पं. पाल माण्डव कालूगामड़ा	—	1– पालमाण्डव	2– डूंगरा दराखांडा
पं. भोजातों का ओडा राघेला	—	—	1– कालूगामड़ा
पं. राघेला	—	1– राघेला	—
	1	8	12

5– विद्यालय स्थित गांवों । फलों तक पहुंच की सुविधा—

क्षेत्र/गांव	बस सेवा उपलब्ध	पैदल दूरी	मार्ग		
		किमी सं०	पक्की सड़क	कच्ची सड़क	पगठण्डी
पं० पुनाली	2	2 — 1 3 — 1 4 — 1 5 — 1	2	4	—
पं० कोलखण्डा	3	1 — 2 2 — 1 3 — 2 6 — 1	3	4	2
पं० पाल माण्डव	1	2 — 1 5 — 1	–	1	1
कालूगांमड़ा	×	10 — 1	–	1	1
(पं० भोजातों का ओडा)	—	—	—	—	—
राघेला					

19 विद्यालय में स्थित गांवों में से 6 गांवों तक पहुँच के लिए बस सेवा उपलब्ध हैं। शेष विद्यालय स्थित गांवों तक पहुच के लिए पैदल चलना पड़ता है। पैंदल दूरी अनुसार विद्यालयों की सख्या निम्नानुसार है–

पैदल दूरी किमी	विद्यालयो की सं0
1	2
2	3
3	2
4	1
5	2
6	1
10	1

5 विद्यालय स्थित गांवों के लिए पहूंच के लिए पक्की सड़क है। 10 विद्यालय स्थित गांधों तक पहुचने के लिए कच्ची सड़क उपलब्ध है। ऐसे गांव जिन तक पहुंच के पगदंडी मार्ग का प्रयोग करना पड़ता हैं, की संख्या 4 हैं।

6- विद्यालय स्थित गांवों में अन्य आवश्यक सुविधाएं—

क्षेत्र गांव	बिजली	टेलिफोन	पो० ओ०	टी० वी०	जल प्रदाय	चिकित्सा
पं० पुनाली	6	2	2	1	2	2
पं० कोलखण्डा	6	—	—	—	1	2
पं० पाल माण्डव	—	—	—	—	—	—
कालूगामड़ा	—	—	—	—	—	—
(पं० भोजातों का ओडा)						
राघेला	—	—	—	—	—	—
(पं० राघेला)						
	12	2	2	2	3	4

उक्त विवरण दर्शाता हैं कि विद्यालय स्थित गांवों में आवश्यक सुविधाओं का अभाव सा है।

7- निरक्षरों की संख्या

क्षेत्र/गांव	निरक्षर (15-35 आयु)	साक्षरता केन्द्र पर अध्ययनरत	निरक्षर जिनको साक्षरता से जोड़ा जाना है
पं. पुनाली	318	208	110
पं. कोलखण्डा	737	193	554
पं. पाल माण्डव	818	317	501
	1873	718	1153

आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि व्यापक साक्षरता के कार्यक्रम के निष्पादन के बावजूद भी 61.7% निरक्षरों को साक्षरता से जोड़ना शेष हैं।

8- क्षेत्र में स्थित विद्यालयों के भौतिक संसाधन

(क) भवन

क्षेत्र/विद्यालय	भवन पक्के	कच्चे	कच्चे पक्के	उपलब्ध कमरों की संख्या कक्षाकक्ष	अन्य	कमरों की आवश्यकता	छत रिसने वाले कमरों की संख्या	बाउण्ड्री पूर्ण	आंशिक	नहीं
पं. पुनाली										
उ प्रा. वि. - 3	3	—	—	23	4	4	15	1	1	1
प्रा. वि - 3	2	—	1	15	2	2	7	1	—	1
प. कोलखण्डा										
उ प्रा. वि - 3	2	—	1	21	2	—	13	2	—	1
प्रा. वि. - 6	6	—	—	11	2	10	10	—	—	6
पं. पाल माण्डव										
उ. प्रा. वि. - 1	1	—	—	7	1	—	5	—	1	—
प्रा वि. - 2	2	—	—	4	2	1	5	—	—	2
प्रा. वि. कालूगामड़ा एवं भोजातों का ओड़ा	1	—	—	2	1	—	—	1	1	—
योग										
उ. प्रा. वि. 7	6	—	1	51	7	4	33	4	2	2
प्रा. वि. 12	11	—	1	32	7	13	22	2	—	9
महायोग	17	—	2	83	14	17	55	6	2	11

मात्र दो विद्यालयों के भवन कच्चे-पक्के है। शेष के भवन पक्के हैं। भवन पक्के होते हुए भी 56.7% कमरों में पानी रिसता हैं। उपलब्ध तथ्यों के अनुसार उ. प्रा. वि. के सभी कमरों में और 4 उ. प्रा. वि. में आधे से अधिक कमरों में पानी रिसता हैं। दो प्रा वि में पानी नहीं टपकता हैं। सभी कमरों में पानी टपकने वाले प्रा वि. की संख्या 6 हैं तथा आधें अधिक कमरों में पानी गिरने वाले प्रा. वि. की संख्या 4 हैं।

(ख) भूमि की उपलब्धता एवं उपयोग

क्षेत्र/विद्यालय	विद्यालय की संख्या	क्षेत्रफल	उपयोग खेल मैंदान	वृक्षारोपण
पं. पुनाली				
उ प्रा. वि. 3	3	2 बीघा से	2	2
प्रा. वि. 2	2	10 बीघा	2	2
पं कोलखण्डा				
उ. प्रा. वि. 3	1	1/2 बीघा से	1	1
प्रा. वि. 6	3	$6\frac{1}{4}$ बीघा	2	3
पं. पाल माण्डव				
उ. प्रा. वि. 1	1	2 बींघा	1	—
प्रा. वि 2	—	—	—	—
कालूगामड़ा	1	—	—	1
योग				
उ प्रा.	5		4	3
प्रा. वि.	6		4	6
महायोग	11	1/2 बीघा से 10 बीघा	8	9

लगभग 50 प्रतिशत विद्यालयों में भूमि उपलब्ध है। उपलब्धता की सीमा 1/2 से 10 बीघा के बीच है। उपलब्ध भूमि का उपयोग खेल के मैंदान व वृक्षारोपण के लिए किया जा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुछ विद्यालयों में थोड़ी बहुत भूमि पहाड़ी होने से पड़त हैं। उ. प्रा वि. गेहूंवाड़ा में 250 वृक्ष लगे हुए है। प्रा. वि. नयागांव व बारी में 100–100 वृक्ष हैं।

(ग) पेयजल की उपलब्धता (विद्यालयों की संख्या)

क्षेत्र/विद्यालय	परिसर के निकट	परिसर से दूर	विशेष
पं. पुनाली			
उ. प्रा. वि. 3	3	—	प्रा. वि. नयागांव
प्रा. वि. 1	2	1	1 कि. मी. दूर
पं. कोलखण्डा			
उ. प्रा. वि. 3	3	—	प्रा. वि. कुवेरा $1\frac{1}{2}$ किमी
प्रा. वि. 6	3	3	–''– रामा 1/2 किमी –''– समोता का ओड़ा $\frac{1}{2}$ किमी
पं. पाल माण्डव			
उ प्रा. वि. 1	1		
प्रा. वि. 1	1	1	प्रा. वि. डूँगरा 1/2 किमी
प्रा. वि. कालूगामड़ा	1	—	

समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालय में पेयजल परिसर या उसके निकट उपलब्ध हैं। 50% प्रा० वि० के लिए पेयजल की उपलब्धता दूर हैं। यह दूरी 1/2 किमी से $1\frac{1}{2}$ किमी की सीमा तक है।

(घ) मुत्रालय की उपलब्धता

क्षेत्र/विद्यालय	बालकों के लिए	बालिकाओं के लिए	शिक्षकों के लिए	सभी के लिए एक	उपलब्ध नही
पं० पुनाली					
उ० प्रा० 3	—	—	—	3	—
प्रा० वि० 3	—	—	—	3	—
पं० कोलखण्डा					
उ० प्रा० वि० 3	—	—	—	3	—
प्रा० वि० 6	—	—	—	4	2
पं० पाल माण्डव					
उ० प्रा० वि० 1	1	1	—	—	—
प्रा० वि० 2	—	—	—	—	2
प्रा० वि० कालुगामड़ा	—	—	—	1	—
योग–					
उ० प्रा० वि०	1	1	—	6	—
प्रा० वि०	—	—	—	8	4

तालिका से स्पष्ट होता है कि एक ही उ० प्रा० वि० में बालकों एवं बालिकाओं के पृथक-पृथक मुत्रालय हैं। शेष सभी उच्च प्राथमिक विद्यालय में सभी के लिए एक ही मुत्रालय हैं। 4 प्राथमिक विद्यालय में मुत्रालय उपलब्ध नही हैं। शेष में सभी के लिए एक ही मुत्रालय है।

(ङ) शौचालय की उपलब्धता

क्षेत्र/विद्यालय	बालकों के लिए	बालिकाओं के लिए	शिक्षकों के लिए	सभी के लिए एक	उपलब्ध नही
पं० पुनाली					
उ० प्रा० वि० 3	—	1	—	2	—
प्रा० वि० 3	—	—	—	3	—
प० कोलखण्डा					
उ० प्रा० वि० 3	1	1	—	2	—
प्रा० वि० 6	—	—	—	3	3

पं० पाल माण्डव					
उ० प्रा० वि० 1	—	—	—	1	—
प्रा० वि० 2	—	—	—	—	2
प्रा० वि० कालूगामड़ा	—	—	—	—	1
योग–					
उ० प्रा० वि०	1	2	—	5	—
प्रा० वि०	—	—	—	6	6
महायोग–	1	2	—	11	6

उक्त तथ्यों के अवलोकन से प्रगट होता है कि सिर्फ एक उच्च प्राथमिक विद्यालय में बालक बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक शौचालय है। शेष में सभी के लिए एक शौचालय हैं। आधे प्राथमिक विद्यालयों में शौचालय नही है जबकि शेष आधे प्राथमिक विद्यालयों में सभी के लिए एक शौचालय है।

(च) पुस्तकालय हेतु पुस्तकों की उपलब्धता

क्षेत्र/विद्यालय	उपलब्धता	उपलब्धता नही	रखने की सुविधा
पं० पुनाली			
उ० प्रा० वि० 3	3	—	2
प्रा० वि० 3	2	1	1
पं० कोल खण्डा			
उ० प्रा० वि० 3	3	—	3
प्रा० वि० 6	2	4	2
पं० पाल माण्डव			
उ० प्रा० वि० 1	1	—	1
प्रा० वि० 2	1	1	1
प्रा० वि० कालूगामड़ा	1	—	1
योग-			
उ० प्रा० वि०	7	—	6
प्रा० वि०	6	1	5
महायोग–	13	6	11

सभी उच्च प्राथमिक विद्यालय में पुस्तकालय हेतु पुस्तकें उपलब्ध है तथा इनमें से एक को छोड़ शेष में पुस्तकें रखने की सुविधा उपलब्ध है। 50% प्राथमिक विद्यालयों में पुस्तकालय हेतु पुस्तकें उपलब्ध है तथा उनमें एक में पुस्तकें रखने की सुविधा नही हैं।

(छ) पत्र-पत्रिकाओं की उपलब्धता

क्षेत्र/विद्यालय	उपलब्ध		उपलब्ध नहीं	
	दै. पत्र	मा पत्र	वार्षिक	
पं० पुनाली				
उ० प्रा० वि० 3	3	1	—	—
प्रा० वि० 3	—	—	—	3
पं० कोलखण्डा				
उ० प्रा० वि० 3	2	1	—	—
प्रा० वि० 6	—	—	—	6
पं० पाल माण्डव				
उ० प्रा० वि० 1	—	—	—	1
प्रा० वि० 2	—	—	—	2
प्रा० वि० कालूगामड़ा	—	—	—	1
योग-				
उ० प्रा० वि०	5	2	—	1
प्रा० वि०	—	—	—	12
महयोग	5	2	—	13

एक उच्च प्राथमिक बिद्यालय में पत्र-पत्रिका की सुविधा नहो है। मा० पत्र सिर्फ दो उच्च प्राथमिक विद्यालय में आता है । वार्षिक पत्रिका तो किसी भी उच्च प्राथमिक विद्यालय को उपलब्ध नही है। किसो भो प्राथमिक विद्यालय में किसी भी प्रकार की पत्र-पत्रिका की सुविधा उपलब्ध नही है।

(ज) फर्नीचर की उपलब्धता

क्षेत्र/विद्यालय	शिक्षकों के लिए			विद्यार्थियों के लिए			अन्य कार्य हेतु		
	पर्याप्त	अपर्याप्त	उप० नही	पर्याप्त	अपर्याप्त	उप० नही	पर्याप्त	अपर्याप्त	उप० नही
पं० पुनाली									
उ० प्रा० वि० 3	—	3	—	—	3	—	1	2	—
प्रा० वि० 3	1	2	—	—	3	—	—	3	—
पं० कोलखण्डा									
उ० प्रा० वि० 3	—	3	—	—	3	—	—	3	—
प्रा० वि० 6	1	5	—	2	5	—	—	6	—

पं० पाल वाण्डव									
उ० प्रा० वि० 1	—	1	—	—	1	—	—	1	—
प्रा० वि० 2	—	2	—	—	2	—	—	2	—
प्रा० वि० कालूगामड़ा	1	—	—	—	1	—	—	1	—
योग–									
उ० प्रा० वि०	—	7	—	—	7	—	1	6	—
प्रा० वि०	3	9	—	2	10	—	—	12	—
महा योग	3	16	—	2	17	—	1	18	—

सभी उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों एवं बालकों के लिए फर्नीचर अपर्याप्त हैं । अन्य कार्यो हेतु एक ही उच्च प्राथ.मक विद्यालय फर्नीचर पर्याप्त है प्राथमिक विद्यालयों में 3 में शिक्षकों के लिए एबं 2 में बालकों के लिए फर्नीचर पर्याप्त हैं अन्य कार्यो के लिए किसी भी प्राथमिक विद्यालय में फर्नीचर पर्याप्त नही है

(ज) ओपरेशन ब्लेक बोर्ड के अन्तर्गत प्रस्तावित संदर्भ साहित्य सहायक शिक्षण सामग्री एवं अन्य उपकरणों की उपलब्धता

क्षैत्र/विद्यालय	उपलब्धता		
	पर्याप्त	अपर्याप्त	नही
पं० पुनाली			
उ० प्रा० वि० 3	—	3	—
प्रा० वि० 3	1	2	—
पं० कोलखण्डा			
उ० प्रा० वि० 3	—	3	—
प्रा० वि० 6	3	—	3
पं० पाल माण्डव			
उ० प्रा० वि० 1	—	1	—
प्रा० वि० 2	2	—	3
प्रा० वि० कालूगामड़ा	1	—	—
योग–			
उ० प्रा० वि०	—	7	—
प्रा० बि०	7	2	3
महायोग–	7	9	3

सभी उच्च प्राथमिक विद्यालय में उक्त सामग्री अपर्याप्त हैं । 7 प्राथमिक विद्यालय में सामग्री पर्याप्त है जबकि 2 प्राथमिक विद्यालय में सामग्री अपर्याप्त है । 3 प्राथमिक विद्यालय में सामग्री उपलब्ध नही है ।

11- विद्यालय में मानवीय संसाधन

(अ) शिक्षक-

विद्यालय	कार्यरत			रिक्त	आवश्यकता
	पुरुष	महिला	योग		
बा० उ० प्रा० वि० पुनाली	—	8	8	—	—
उ० प्रा० वि० गेहूंवाड़ा	6	—	6	2	—
,, पांतली	9	1	10	—	—
,, कोलखण्डा खास	7	—	7	—	—
,, ,, पाल	6	—	6	—	2
,, जोगीवाड़ा	7	—	—	—	—
,, पाल माण्डव	7	—	7	—	—
प्रा० वि० पुनाली	4	2	6	—	2
वाड़ा	1	2	3	—	2
नयागांव	2	—	2	—	—
डूंगरा (को०)	1	1	2	—	1
बारी	2	—	2	—	1
रामा	1	1	2	—	—
कुबेरा	1	—	1	—	—
समोता का ओडा	1	1	2	—	1
माण्डव माइन्स	2	—	2	—	—
डूंगरा (पा. मा.)	2	—	2	—	....
दराखांडा	2	--	2	--	1

उपरोक्त आँकडे दर्शाते है कि बा० उच्च प्राथमिक विधालय में कोई पुरुष शिक्षक नही है और अन्य उच्च प्राथमिक विद्यालयों में से सिर्फ एक में महिला शिक्षिका हैं 50% प्राथमिक विद्यालय में ही महिला शिक्षिका है। रिक्त पद सिर्फ एक उच्च प्राथमिक विद्यालय में है। एक उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा 5 प्राथमिक विधालय में अतिरिक्त पदों की आवश्यकता है।

(ब) विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या

नाम विद्यालय	छात्र सख्या		कक्षावार	
	कुल	VI	VII	VIII
बा० उ० प्रा० वि० पुनाली	349	48	30	26
उ० प्रा० वि० गेहूंवाड़ा	140	21	19	10
,, पांतली	196	13	10	14
,, कोलखण्डा खास	134	18	10	6
,, पाल	144	14	14	12
,, जीगीवाड़ा	154	26	10	6
,, पाल माण्डव	132	21	22	8
प्रा० वि० पुनाली	250			
,, वाड़ा	149			
,, नयागांव	152			
,, डूंगरा (को)	33	(कक्षा-1)		
,, बारी	99			
,, कुबेरा	46	(कक्षा-1-2)		
,, रामा	60			
,, समोता का ओडा	47	(कक्षा-1-2)		
,, माण्डव माइन्स	113			
,, डूंगरा	70			
,, दराखाडा	121			
,, कालूगामड़ा	75			

छात्र संख्या को देखते हुए किसी भी विद्यालय को अनार्थिक नहीं कहा जा सकता हैं, और न ही किसी विद्यालय को स्थानान्तरित / सम्मिलित करने / बन्द करने की आवश्यकता प्रतीत हैं। कतिपय उ० प्रा० वि० में कक्षा VIII में छात्र संख्या कम है क्योकि ये अपेक्षाकृत नवीन विद्यालय हैं। प्रा० वि० डूँगरा (को.) कुबेरा समोता का ओड़ा में सिर्फ कक्षा 1 या कक्षा 1 व 2 ही होने से छात्र संख्या कम है। अगली कक्षाऐ प्रारम्भ होने पर छात्र संख्या में वृद्धि होगी।

12- विद्यालयों की विशिष्ठ समस्याऐ एवं विशेषताएँ

(अ) विशिष्ठ समस्याऐ

प्रा० वि० पुनाली— परिसर में बा० उ० प्रा० वि० स्थित होने से व्यवधान।

प्रा०वि०डूंगरा (पा.मा) बस्ती के बीच पहाड़ आने से पहाड़ के दूसरी ओर अधिक जनसंख्या वाले भाग के बालक / बालिकाओं के विद्यालय पहुचने में कठिनाई।

उ०प्रा०वि० गेहूंबाड़ा — शिक्षकों के आवास की समस्या।

(ब) विशेषताएँ

उ० प्रा० वि० पांतली— 1- प्रति वर्ष एक / दो छात्रों का नवोदय विद्यालय में प्रवेशार्थ चयन।
2- पीछले तीन वर्षों से कबड्डी में प्रथम / द्वितीय स्थान।

उ० प्रा० वि० गेहूवाड़ा— परिसर में 250 वृक्ष

प्रा० वि० बारी/नय गांव—परिसर में 100 वृक्ष

बा० उ० प्रा० वि० — प्रार्थना सभा का प्रभावी आयोजन

यह विचित्र स्थिति हैं कि क्षेत्र में कुछ विद्यालय जिस स्थान से चल रहे है, वे किसी अन्य स्थान पर चल रहे हैं। विद्यालय के नाम एवं विद्यालय स्थित गांव के नाम में भिन्नता के कारण अनजान भ्रमित हो जाता हैं। ऐसे विद्यालय निम्न हैं :—

क्र. सं.	नाम विद्यालय	अवस्थिति का स्थान
1—	उ० प्रा० वि० पाल माण्डव	हड़मतिया
2—	प्रा० वि० दरा खाण्डा	दरा
3—	उ० प्रा० वि० पांतली	कमलोता फला
4—	प्रा० वि० माण्डव माईन्स	समोता
5—	उ० प्रा० वि० पाल कोलखण्डा	ओड़ा फला

उचित यह प्रतित होता हैं कि विद्यालय का नाम विद्यालय स्थित के अनुरूप हैं।

वर्तमान विद्यालयों का विश्लेषणात्मक विवरण

पं0 पुनाली

(1) प्राथमिक विद्यालय पुनाली

विद्यालय सत्र 83-84 में स्थापित हुआ । विद्यालय स्थित गांव तक पहूंचने के लिए पक्की सड़क हैं तथा बस सुविधा उपलब्ध हैं । गांव में सभी आवश्यक सुविधाऐ यथा बिजली, टेलीफोन, पोस्ट ऑफिस जल प्रदाय. टी. वी , चिकित्सा सुविधा है ।

विद्यार्थी 250 है । गांव में बा० उ० प्रा० वि० होने से बालिकाओं की संख्या सिर्फ 44 है । शिक्षकों की संख्या 6 है जिनमें से 2 महिलाऐं है । कक्षा 1 में 120 छात्र होने व विद्यालय वेतन केन्द्र होने से 2 शिक्षकों की ओर आवश्यकता है ।

भवन पक्का है । कुल 8 कमरे है जिनमें 6 कक्षा कक्ष है । 8 कक्षों में 6 कक्षों में पानी टपकता हैं । कक्षा कक्षों की साइज 20' X 15' है । कक्ष पर्याप्त है बाउण्ड्री बनी हुई है । 2 बीघा भूमि उपलब्ध हैं जिसमें खो-खो, कबड्डी, वॉलीवाल के मैदान है : परिसर में 4 वृक्ष लगे हुए है । पेयजल हेतु हैण्ड पम्प है ।

मुत्रालय एक ही है । बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय की आवश्यकता हैं । शौचालय नही है ।

पुस्तकालय में 200 पुस्तकें हैं । कोई पत्र पत्रिका नही आती है ओपरेशन ब्लेक बोर्ड की सूची में प्रस्तावित सामग्री उपलब्ध है ।

रेकार्ड रखने के लिए दो अलमारियों के अलावा कोई फर्नीचर की आवश्यकता नही ।

विद्यालय की समस्याऐं है- (1) सड़क के निकट स्थित होना (2) परिसर में ही बा० उ० प्रा० वि० स्थित होना ।

(2) प्राथमिक विद्यालय बाड़ा

विद्यालय की स्थापना 83-84 में हुई : निकटतम बस स्टेण्ड से 4 किमी दूर है । पहुंच के लिए कच्ची सड़क हैं । गांव में सिर्फ बिजली की सुविधा है ।

विद्यार्थियों की संख्या 149 हैं । छात्र-छात्रा अनुपात 3:2 है । 3 शिक्षकों में से 2 महिलाऐं है । मानदंडानुसार एक और शिक्षक की आवश्यकता है ।

भवन पक्का है । कक्षा कक्ष 4 एवं 1 कार्यालय कक्ष है । दो कमरो की साइज 18 X 16 तथा दो कमरो की साइज 16X12 है । चारो कक्षा कक्षो में पानी गिरता है । कक्षा कक्षो की आवश्यकता हैं दो कक्षाऐं बरामदें में बैठती हैं । आंशिक क्षेत्र की बाउण्ड्री बनी हुई है । न तो खेल के मैदान हैं और न ही भूमि उपलब्ध है । परिसर में 8 वृक्ष है । पेयजल निकट हेण्ड पम्प से लाया जाता है ।

मुत्रालय एक ही है । बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय की आवश्यकता है । शौचालय नही है ।

पुस्तकालय में पुस्तकें 200 है । कोई पत्र पत्रिकाएं नही आती है । ओपरेशन ब्लेक बोर्ड सूची में वर्णित सामग्री उपलब्ध है :

(3) प्राथमिक विद्यालय नयागांव

विद्यालय बस स्टेण्ड से 2 किमी दूर है। पहुंच के लिए कच्ची सड़क हैं। गांव में बिजली के अलावा अन्य कोई सुविधा नही हैं।

विद्यार्थी 152 हैं। छात्र-छात्रा अनुपात 3:2 हैं। 4 शिक्षक हैं जिनमें से 3 महिलाऐं है। कक्षा 1 में छात्र संख्या अधिक होने से एक और शिक्षक की आवश्यकता हैं।

भवन में कुछ कक्ष पक्के है एवं कुछ कक्ष कच्चे हैं। 4 कक्षा कक्षों में से 3 में पानी रिसता है। कक्षा कक्षों की साईज $\frac{14' \times 9'}{2}$ $\frac{20' \times 8'}{1}$ $\frac{15' \times 2'}{1}$ हैं। एक कक्ष में श्याम पट्ट नही हैं। दो कक्षाओं की आवश्यकता हैं। बाउण्ड्री नही है। 20 वर्ग मीटर भूमि उपलब्ध हैं जिसमें कबड्डी एवं खो-खो के मैदान और वृक्ष हैं। परिसर में 100 वृक्ष है। पेयजल 1 किमी दूर से लाया जाता है।

पुस्तकालय में 120 पुस्तकें हैं। पत्र-पत्रिका उपलब्ध नही हैं। ओपरेशन ब्लेक बोर्ड सूची में वर्णित सामग्री उपलब्ध है। एक ही मुत्रालय है, बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय की आवश्यकता हैं। एक शौचालय है। 2 शिक्षकों के लिए टेबल कुर्सी की आवश्यकता हैं विद्यार्थियों के लिए दरी-पट्टियां अपर्याप्त है।

विद्यालय की विशेषता हैं-भामाशाहों द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहन।

(4) उच्च प्राथमिक विद्यालय पांतली

विद्यालय सत्र 81-82 में क्रमोन्नत हुआ। निकटतम बस स्टेण्ड 3 किमीं दूर हैं। पहुंच हेतु कच्ची सड़क है। गांव में बिजली के अलावा कोई सुविधा नहीं है।

विद्यार्थी 197 है। छात्र-छात्रा अनुपात 1.7:1 हैं। शिक्षक 10 है जिसमें से 1 महिला हैं।

भवन पक्का हैं। कक्षा कक्ष 6 हैं जिनमें से 3 में छत से पानी का रिसाव होता है। दो कक्षाऐं बरामदे में बैठती हैं। तीन कमरों की आवश्यकता हैं। आंशिक क्षैत्र की बाउड्री हैं। 200 वर्ग मीटर भूमि उपलब्ध है जो बागवानी एवं वृक्षारोपण में प्रयुक्त हो रही हैं। न तो खेल के मैदान हैं और न ही उसके लिए भूमि उपलब्ध है। पेयजल हेतु हेण्ड पम्प हैं।

पुस्तकालय की पुस्तकों को रखने की सुविधा उपलब्ध हे। एक दैनिक पत्र की सुविधा है। ओपरेशन ब्लेक बोर्ड की सभी वस्तुऐं उपलब्ध नहीं हैं।

एक ही मुत्रालय है। बालिकाओं के लिए मुत्रालय की आवश्यकता हैं। एक शौचालय है।

5 शिक्षकों के लिए टेबल कुर्सी एवं 50 विद्यार्थियों के लिए दरी पट्टी की आवश्यकता हैं रेकार्ड रखने के लिए दो अलमारियों और 2 पेटियों की भी आवश्यकता हैं।

विद्यालय की विशेषता हैं। (1) प्रति वर्ष एक/दो विद्यार्थियों का नवोदय विद्यालय में प्रवेशार्थ चयन (2) तीन वर्षों से लगातार कबड्डी में प्रथम/द्वितीय स्थान।

(5) उच्च प्राथमिक विद्यालय गेहूंवाड़ा

विद्यालय 84–85 में क्रमोन्नत हुआ । निकटतम बस स्टेण्ड 5 किमी दूर है । पहुंच के लिए कच्ची सड़क हैं। गांव में बिजली एवं टेलिफोन की सुविधा उपलब्ध है।

विद्यार्थियों की संख्या 140 है। छात्र/छात्रा अनुपात 1.5:1 हैं । शिक्षकों के 8 पद स्वीकृत है। कार्यरत शिक्षक 6 है । महिला शिक्षिका नहीं है।

भवन पक्का हैं जिसमें आठ कमरे हैं। कमरों की साईज $\frac{18' \times 9'}{7}$, $\frac{20' \times 16'}{1}$ हैं। 7 कक्षा कक्ष हैं तथा 1 कार्यालय कक्ष हैं। एक कक्ष में श्याम पट्ट नहीं हैं। सभी कक्षों में पानी गिरता हैं। बाउण्ड्री बनी हुई हैं । 10 बीघा भूमि उपलब्ध है जिसमें से 3 बीघा भूमि में खो-खो एवं वालीबॉल के मैदान हैं। 5 बीघा भूमि वृक्षारोपण एवं बागवानी में प्रयुक्त हो रही है। 250 वृक्ष लगे हुए है । शेष 2 बीघा भूमि पहाड़ी होने से पड़त है पेयजल हेतु हेण्ड पम्प की सुविधा हैं ।

एक ही मुत्रालय हैं । बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय की आवश्यकता हैं। एक शौचालय है।

पुस्तकालय में 300 पुस्तकें है, एक दैनिक पत्र एवं एक मासिक पत्रिका आती है । ओपरेशन ब्लेक बोर्ड की सूची में वर्णित वस्तुओं में कई वस्तुऐं उपलब्ध नही है

तीन शिक्षकों लिए टेबल कुर्सी एवं 100 विद्यार्थियों के लिए दरी पट्टी की आवश्यकता हैं। रोकड रखने के लिए डबल लोक और सामग्री व रेकार्ड रखने के लिए एक अलमारी और 3 पेटियों को आवश्यकता है।

(6) बा0 उच्च प्राथमिक विद्यालय पुनाली

विद्यालय की क्रमोन्नति सत्र 89-90 में हुई । विद्यालय स्थित गांव तक पहूंच हेतु बस सुविधा उपलब्ध हैं।

आठ अध्यापिकाऐं कार्यरत है। कोई रिक्त पद नहीं हैं। नामांकन 349 है । छात्र छात्रा अनुपात 1:4 हैं ।

भवन पक्का हैं । 10 कक्षा कक्ष हैं जिनमें से 5 में पानी टपकता हैं । कार्यालय एवं भंडार कक्ष भी हैं। करीब 15000 वर्ग मीटर भूमि उपलब्ध हैं जिसमें से 11000 वर्ग मीटर में खो-खो बॉलीबॉल कबड्डी के मैदान है । शेष भूमि पड़त हैं । वृक्षारोपण नही है। पेयजल हेतु हेण्ड पम्प है।

मुत्रालय एक ही हैं। बालक-बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय की आवश्यकता है। एक शौचालय हैं ।

पुस्तकालय में 200 पुस्तकें है जिनके रखने के लिए अलमारी उपलब्ध हैं। एक दैनिक पत्र की सुविधा है।

6 शिक्षकों के लिये टेबल कुर्सी की आवश्यकता है । विद्यार्थियों के लिए टाट–पट्टियां अपर्याप्त है।

पंचायत कोलखण्डा

(1) प्राथमिक विद्यालय कुबेरा

विद्यालय की स्थापना सत्र 93–94 में हुई । निकटतम बस स्टेण्ड से इसकी दूरी 1 किमी हैं पहूंच के लिए पगदंडी मार्ग है । गांव में बिजली एवं जल प्रदाय की सुविधा विद्यमान हैं।

विद्यार्थी 46 अध्ययनरत है । संख्या कम होने का कारण अभी वहां कक्षा 1 एवं 2 ही हैं। छात्र–छात्रा अनुपात 1.3:1 है । एक शिक्षक पद स्थापित हैं ।

भवन पक्का हैं जिनमें 20 X 15 के दो कक्षा-कक्ष हैं । दोनों ही कक्षों में पानी गिरता हैं ।

वर्तमान में भवन पर्याप्त हैं, परन्तु अगली कक्षाओं के प्रारम्भ होने पर अतिरिक्त कक्षा–कक्षों की आवश्यकता रहेगी। वाउण्ड्री नहीं हैं । 100 वर्ग मीटर भूमि उपलब्ध हैं जो वृक्षारोपण एवं बागवानी में प्रयुक्त हैं। न तो खेल के मैदान है और न ही इसके लिए भूमि उपलब्ध हैं। पेयजल 1/2 किमी दूर से लाना पड़ता हैं । मुत्रालय एवं शौचालय नही हैं।

पुस्तकालय हैतु पुस्तकें नहीं हैं । कोई पत्र पत्रिका नही आती है। ओपरेशन ब्लेक बोर्ड की सूची में वर्णित अधिकांश सामग्री नहीं है ।

शिक्षकों के लिए टेवल कुर्सी एवं विद्यार्थियों के लिए दरी पट्टी की आवश्यकता हैं। सामग्री एवं रेकर्ड रखने के लिए अलमारी का होना आवश्यक है।

(3) प्राथमिक विद्यालय रामा

विद्यालय सत्र 92-93 में स्थापित हुआ । निकटतम बस स्टेण्ड से विद्यालय 1 किमी दूर हैं। पहुँच हेतु पगडंडी मार्ग हैं। गांव में बिजली के अलावा अन्य कोई सुविधा नहीं है ।

विद्यार्थियों की सख्या 60 हैं। छात्र संख्या में कमी का कारण नया विद्यालय होंने से कक्षा 3 तक ही अध्यापन कराया जाना है । छात्र-छात्रा अनुपात 6 : 7 है। एक पुरुष एव एक महिला शिक्षक कार्यरत हैं।

भवन पक्का है। इसमें दो कक्ष (साईज 20'X10') एवं एक कार्यालय कक्ष (साईज 14'X7') है। दोनों ही कक्षा कक्षों में पानी रिसता । वर्तमान में भवन पर्याप्त हैं। बाउण्ड्री नहीं हैं। 1/2 किमी दूर स्थित हेण्डपम्प से पानी लाया जाता है ।

एक मुत्रालय हैं बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय नहीं हैं । शौचालय नहीं है।

पुस्तकालय की दृष्टि से कोई पुस्तके उपलब्ध नहीं हैं। पत्र–पत्रिका की सुविधा भी नहीं हैं। ओपरेशन ब्लेक बोर्ड की सूची में वर्णित अधिकांश सामग्री उपलब्ध नहीं हैं।

शिक्षकों के टेबल-कुर्सी तथा विद्यार्थियों के लिए दरी पट्टी पर्याप्त नहीं हैं। सामग्री एवं रेकार्ड रखने के लिए एक अलमारी एवं दो पेटियों की आवश्यकता है :

3 प्रा. वि. समोता का ओड़ा

विद्यालय सत्र 93–94 में खुला है। बस सुविधा उपलब्ध हैं। पहुँच हेतु पक्की सड़क है। गांव में बिजली एवं टेलीफोन की सुविधा उपलब्ध है।

नवीन विद्यालय होने से कक्षा 1 एवं 2 ही है। विद्यार्थियों की संख्या 47 है। छात्र-छात्रा अनुपात 2, 1 हैं। दो शिक्षक कार्यरत हैं जिसमें से एक महिला हैं।

भवन पक्का हैं 120'X15' के दो कक्षा कक्ष हैं। कार्यालय कक्ष नहीं है। वर्तमान में भवन पर्याप्त हैं। दौनों ही कक्षों में पानी टपकता हैं। बाउण्ड्री नहीं हैं। न तो खेल का मैदान हैं और न ही भूमि उपलब्ध हैं। 100 मीटर दूर स्थित हेण्डपम्प पेयजल का स्रोत हैं।

मुत्रालय एव शौचालय नहीं हैं।

पुस्तकालय हेतु पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। न ही पत्र-पत्रिका की कोई सुविधा है। ओपरेशन ब्लेक बोर्ड की सूची में बहुत कम सामग्री उपलब्ध हैं।

एक शिक्षक के टेबल कुर्सी एवं रेकर्ड/सामग्री रखने के लिए एक अलमारी की आवश्यकता हैं।

4 प्रा. वि. माण्डव माईन्स

यह विद्यालय समोता नामक गांव में अवस्थित है। इसकी स्थापना सत्र 72-73 में हुई। विद्यालय बस स्टेण्ड के निकट हैं। पहुँच हेतु पक्की सड़क हैं। गांव में सिर्फ बिजली की सुविधा हैं।

भवन पक्का है। 15'X18' की साईज के दो कक्षा कक्ष हैं। दोनों ही कमरों में पानी गिरता हैं। दो अतिरिक्त कक्षा कक्षों की आवश्यकता है। बाउण्ड्री नहीं है। 1/2 बीघा भूमि उपलब्ध हैं जिसमें 8 वृक्ष लगे हुए है। न तो खेल के मैदान हैं और न ही इसके लिए भूमि उपलब्ध है। पेयजल हेतु हेन्डपम्प है।

एक मुत्रालय हैं; बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय अपेक्षित हैं। एक शौचालय है।

पुस्तकालय हेतु पुस्तकें उपलब्ध नहीं है। कोई पत्र-पत्रिका की सुविधा नहीं हैं। ओपरेशन ब्लेक बोर्ड की सूची में वर्णित अधिकांश सामग्री उपलब्ध है।

एक शिक्षक के लिए टेबल कुर्सी एवं रेकर्ड/सामग्री रखने हेतु 2 पेटियों की आवश्यकता हैं।

5 प्रा. वि. डूंगर।

विद्यालय की स्थापना सत्र 80-81 में हुई। निकटस्थ बस स्टेण्ड विद्यालय 3 कि० मी० दूर है। पहूंच के लिए कच्ची सड़क है। गांव मे कोई आवश्यक सुविधा नहीं।

विद्यार्थियों की सख्या 93 है। छात्र छात्रा अनुपात 5:4 हैं। दो शिक्षक कार्यरत हैं जिनमें से एक महिला हैं।

भवन पक्का है। तीन कक्षा कक्ष 20X12 है। अन्य दो कक्षा कक्ष 10X8 कार्यालय एवं भण्डार हेतु प्रयुक्त हो रहे है। तीनों कक्षा कक्षों में पानी गिरता है। वर्तमान में भवन पर्याप्त है। बाउण्ड्री नहीं। पेयजल हेतु हेण्डपम्प उपलब्ध है। 80'X60' मोटर भूमि उपलब्ध है जिसमें कबड्डी एवं खो-खो के मैदान हैं।

एक मुत्रालय है; बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय अपेक्षित है। एक शौचालय है।

पुस्तकालय हेतु 200 पुस्तकें उपलब्ध हैं, पत्र-पत्रिका की सुविधा नहीं हैं। ओपरेशन ब्लेक बोर्ड में की सूची में वर्णित सामग्री में से कुछ सामग्री उपलब्ध है।

80 छात्रों के लिए दरी पट्टी एवं रेकर्ड रखने हेतु एक अलमारी की आवश्यकता हैं।

6 प्रा. वि. बारी

विद्यालय की स्थापना सत्र 84-85 में हुई । बस सेवा उपलब्ध हैं। पहुँच के लिए पक्को सड़क हें। विद्यालय स्थित फले में कोई आवश्यक सुविधा नहीं हैं।

विद्यालय में नामांकन 109 हैं। छात्र-छात्रा का अनुपात 5 : 4 हैं। दो शिक्षक कार्यरत है। महिला शिक्षिका नहीं है। एक ओर शिक्षक की अपेक्षित है।

भवन पक्का है। दो कक्षा कक्ष (20'X10') है। दोनो में ही पानी गिरता हैं। वर्तमान में भवन पर्याप्त हैं आंशिक क्षेत्र की बाउण्ड्री बनी हुई है। उपलब्ध भूमि में कबड्डी एवं खो-खो के मैंदान है। एवं 100 वृक्ष लगे हुए है। पेयजल हेतु हेण्डपम्प है।

एक ही मुत्रालय है, बालिकाओं के लिए पृथक से मुत्रालय अपेक्षित है। एक शौचालय है।

पुस्तकालय हेतु 150 पुस्तकें उपलब्ध है। पत्र-पत्रिका की सुविधा नहीं है।

दो शिक्षकों के लिए टेबल कुर्सी की आवश्यकता हैं। विद्यार्थियों के लिए दरी पट्टियाँ अपर्याप्त है : रेकर्ड एवं सामग्री रखने के लिए 2 अलमारियों एवं 2 पेटियों की आवश्यकता है।

7 उ. प्रा. वि. कोलखण्डा खास

विद्यालय स्थित गांव तक पहुँचने के लिए बस सेवा नहीं हैं। निकटतम बस स्टेण्ड से विद्यालय की दूरी 6 किमी हैं। पहुँच हेतु कच्ची सड़क है। गांव में बिजली एवं टेलीफोन के अलावा अन्य सुविधा नहीं हैं।

विद्यार्थियों का नामांकन 154 हैं। छात्र-छात्रा अनुपात 8 : 5 4 हैं। शिक्षकों के स्वीकृत पद 7 हैं। कोई पद रिक्त नहीं है । एक महिला शिक्षिका हैं।

भवन पक्का हैं। 7 कक्षा कक्ष है एक कार्यालय कक्ष है। कक्षों की साईज 20'X15 हैं। भवन पर्याप्त है परन्तु सभी कक्षों में पानी रिसता हैं। बाउण्ड्री बनी हुई हैं। न तो खेल के मैंदान हैं एवं न ही उसके लिए भूमि उपलब्ध है। पेयजल हेतु विद्यालय के निकट हेण्डपम्प है।

तीन शिक्षकों के लिए टेबल कुर्सी की आवश्यकता हैं। विद्यार्थियों के बैठाने के लिए दरी पट्टियां अपर्याप्त हैं। रेकर्ड रखने के लिए डबल लॉक एवं सामग्री रेकर्ड रखने के लिए दो अलमारियों एवं दो पेटियों की आवश्यकता है।

एक ही मुत्रालय हैं, बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय की आवश्यकता है। शौचालय नहीं है।

पुस्तकालय हेतु 145 पुस्तकें उपलब्ध है। एक दैनिक पत्र आ ता हैं।

8 उ. प्रा. वि. कोलखण्डा पाल

विद्यालय ओडा फला में अवस्थित हैं। निकटतम बस स्टेण्ड से इसकी दूरी 3 किमी हैं। पहुँच के लिए कच्ची सड़क हैं। बिजली के अलावा अन्य कोई सुविधा नहीं हैं।

विद्यार्थी नामांकन 144 है। छात्र-छात्रा अनुपात 4 : 3 हैं। शिक्षकों के स्वीकृत पद 6 है। दो अतिरिक्त

शिक्षकों की आवश्यकता है। महिला शिक्षिका नहीं है।

भवन पक्का है। 7 कक्षा कक्ष (20'X18', है। चार कक्षों में पानी गिरता है। भवन पर्याप्त हैं। बाउण्ड्री बनी हुई है। न तो खेल के मैदान हैं और न ही इसके लिए भूमि उपलब्ध हैं। परिसर में पांच वृक्ष है। पेयजल हेतु हेण्डपम्प हैं।

सुत्रालय एक ही हैं। बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय की आवश्यकता हैं।

पुस्तकालय हेतु 200 पुस्तकें उपलब्ध हैं। एक मासिक पत्रिका आती हैं।

शिक्षकों के लिये पर्याप्त फर्नीचर है, परन्तु विद्यार्थियों के लिये दरी पट्टी अपर्याप्त हैं। रेकार्ड रखने के लिए एक अलमारी की भी आवश्यकता हैं।

9 उच्च प्राथमिक विद्यालय जोगीवाड़ा

विद्यालय सत्र 84–85 में क्रमोन्नत हुआ। निकटतम बस स्टेण्ड से इसकी दूरी 2 किमी हैं। पहुँच हेतु कच्ची सड़क है। गांव में बिजली के अलावा कोई सुविधा नहीं हैं।

विद्यार्थियों की संख्या 154। छात्र–छात्रा अनुपात 2·1:1 हैं स्वीकृत पद 7 है। महिला शिक्षिका नहीं हैं।

भवन में कुछ कमरे पक्के एवं कुछ कमरे कच्चे है। 7 कक्षा कक्ष (20'X18') तथा कार्यालय कक्ष (18'X15') हैं। एक कक्ष में पानी गिरता हैं। वाउण्ड्री नहीं है। 6.25 बीघा भूमि उपलब्ध है जिसमें से 4 बीघा में खेल मैदान है। 12 बीघा भूमि वृक्षारोपण एवं बागवानी में प्रयुक्त हो रही है। शेष बीघा भूमि पड़त हैं। पेयजल हेतु हेण्ड पम्प है।

एक ही मुत्रालय हैं; बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय की आवश्यकता हैं।

तीन शिक्षकों के लिए टेबल कुर्सियों की आवश्यकता है। विद्यार्थियों के बैठने के लिये दरीपट्टी पर्याप्त नहीं है। रेकर्ड एवं सामग्री रखने के लिए दो अलमारियों की आवश्यकता है।

10 पं. पाल माण्डव

1 प्राथमिक विद्यालय दराखांडा

विद्याालय दरा नामक गाँव में अवस्थित है। इसको स्थापना सत्र 1960-61 में हुई। निकटतम बस स्टेण्ड की दूरी 5 किमी हैं। पहुँच के लिए कच्ची सड़क है। गाँव में सिर्फ पोस्ट ऑफिस की सुविधा हैं।

विद्यालय में नामांकन 121 हैं। छात्र छात्रा का अनुपात 2:1 है। 2 शिक्षक कार्यरत हैं। महिला शिक्षिका नहीं हैं। मानदण्डानुसार एक ओर शिक्षक की आवश्यकता है।

भवन पक्का है। दो कक्षा कक्ष (10'X15' एवं 10'X12) हैं। दानो में ही पानी गिरता हैं। एक ओर कक्ष की आवश्यकता हैं। न तो खेल का मैदान हैं और न ही इसके लिए भूमि उपलब्ध है। पेयजल हेतु हेण्डपम्प है।

न तो मुत्रालय है और न ही शौचालय है। पुस्तकालय की दृष्टि से पुस्तके उपलब्ध नहीं है। पत्र-पत्रिका की सुविधा नहीं हैं। ओपरेशन ब्लेक बोर्ड की सूची में वर्णित सामग्री में से अधिकांश सामग्री उपलब्ध नहीं हैं।

2 प्राथमिक विद्यालय डूंगरा

विद्यालय का स्थापना सत्र 78-79 है। विद्यालय बस स्टेण्ड से 6 किमी दूर है। पहुँच हेतु पगदण्डी मार्ग हैं। गांव में कोई आवश्यक सुविधा नही हैं।

विद्यार्थियों को संख्या 70 है। छात्र-छात्रा अनुपात 4:3 हैं। दो शिक्षक कार्यरत हैं। महिला शिक्षिका नही हैं।

भवन पक्का हैं। 20' X 10' के दो कक्षा कक्ष एवं 14' X 7' कार्यालय कक्ष हैं। एक कक्षा कक्ष में श्याम पट्ट नही है। सभी शक्षों में पानी गिरता है। एक कक्षा कक्ष की आवश्यकता है। बाउण्ड्री नही हैं। न तो खेल मैदान हैं और न ही इसके लिए भूमि उपलब्ध है। पेयजल 500 मी० दूरी कुए से लाया जाता हैं।

न तो मुत्रालय हैं और न ही शौचालय हैं।

पुस्तकालय में 181 पुस्तकें है। पत्र-पत्रिका की सुविधा नही हैं। ओपरेशन ब्लेक बोर्ड की सूची में वर्णित अधिकांश सामग्री उपलब्ध है।

एक शिक्षक के लिए टेबल कुर्सी और सामग्री रखने के लिए 1 अलमारी व 1 पेटी की आवश्यकता हैं।

विद्यालय की समस्या है ;— नामांकन वृद्धि में भोगोलिक अवरोध। बस्ती के बीच ऊँचा पहाड़ होने से पहाड़ के दूसरी ओर के बालक / बालिकाओं के विद्यालय तक पहूंचने में कठिनाई होने से नामांकन नहीं बढ़ पा रहा हैं।

3 उ. प्रा. वि. पाल माण्डव

विद्यालय की क्रमोन्नति 1976 में हुई। यह पाल माण्डव के फलों में स्थित होकर रे० वि० हड़मतिया में स्थित हैं। बस सुविधा उपलब्ध है। पहुँच हेतु पक्की सड़क हैं। गांव में अन्य कोई आवश्यक सुबिधा नहीं हैं।

नामांकन 191 है। छात्र छात्रा अनुपात 5 ; 1 हैं। शिक्षक 7 है। महिला शिक्षिका नहीं हैं।

भवन पक्का है। कक्षा कक्ष 8 (14' X 14') है। भवन पर्याप्त है। तीन कमरौ में श्याम पट्ट नही हैं। पांच कक्षों में पानी रिसता है। आंशिक बाउण्ड्री वनी हुई हैं।

बालक एवं वालिकाओं के लिए पृथक-पृथक मुत्रालय हैं। एक शौचालय हैं।

पुस्तकालय में 300 पुस्तकें है। एक दैनिक पत्र आता है। ओपरेशव ब्लेक बोर्ड की सूची में वर्णित सामग्री में कुछ सामग्री उपलब्ध नही हैं।

3 शिक्षक के टेबल-कुर्सी, रोकड़ रखने के लिए डबल लोक, सामग्री रेकर्ड रखने के लिए अलमारी व पेटी की आवश्यकता हैं।

पं0 भोजातों का ओडा

प्राथमिक विद्यालय कालूगामड़ा

विद्यालय की स्थापना सत्र 84-85 मे हुई। निकटतम बस स्टेण्ड से 10 किमी दूर हैं। पहुंच हेतु कच्ची सड़क हैं। गांव में कोई आवश्यक सुविधा नही।

नामांकन 75 हैं। छात्र छात्रा अनुपात 2 : 1 है। दो शिक्षक कार्यरत है। महिला शिक्षिका नहीं हैं।

भवन पक्का है। दो कक्षा कक्ष (20'X12') तथा एक कार्यालय कक्ष (10'X8') हैं। 1500 वर्ग मीटर भूमि उपलब्ध है जिसमें 600 वर्ग मीटर में 100 वृक्ष लगे हैं। भूमि पहाड़ी होने से खेल मैंदान नहीं बनाये जा सके हैं। पेयजल $1\frac{1}{2}$ किमी दूर से लाया जाता हैं।

मुत्रालय एवं शौचालय नहीं हैं। पुस्तकालय में 200 पुस्नकें है। पत्र-पत्रिका की सुविधा नहीं हैं।

विद्यार्थियों के लिए दरी पट्टी अपर्याप्त हैं। रेकर्ड रखने के लिए अलमारी को आवश्यकता है।

नई शिक्षण संस्थाओं की स्थापना

प्रयोगशाला क्षेत्र के सर्वे से ज्ञात होता हैं कि कई बस्तियों से विद्यालयों की दूरी निर्धारित मानदण्ड 1 किमी से काफी अधिक हैं। कहीं कहीं तो यह दूरी 4-5 किमी हैं। पहाड़ी क्षेत्र होने से धरातलीय अवरोध भी विद्यार्थियों के विद्यालय तक पहुँच में व्यवधान प्रस्तुत करते हैं। जिन स्थानों पर नये विद्यालय / अ. शि. केन्द्र की आवश्यकता अनुभव की जा रही हैं, उनका विवरण प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।

(अ) नये प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना

1 पं. पुनाली

पं. पुनालीं में तीन राजस्व गाँव हैं— पुनाली, नयागांव, एव गेहूँवाड़ा।

रा. गाँ. पुनाली में निम्न फले हैं— पुनाली, वाड़ा, रतनावाड़ा, माछलिया। पुनाली एवं वाड़ा में प्रा. वि. है। रतनावाड़ा (ज. सं. 303) से निकटस्थ प्रा वि. पुनाली की दूरी 3 किमी हैं। अतः वहां प्रा. वि. स्थापित किया जाना अपेक्षित है।

रा. गां. नयागांव में फले हैं— नयागांव, (पाटीदार फला) भागेला फला, भटात फला एवं आडीवाट। नयागांव [पाटीदार फला] में प्रा वि. हैं। इस गांव के भागेला फला [ज सं [243] एवं नयागांव [ज. सं. 529] के बीच बड़ा तालाब है तथा रा. प्रा. वि. की भागेला फला से दूरी भी 4 किमी. हैं। इन कारणों से भागेला फला के बालक / बालिकाओं को रा. प्रा. वि. नयागांव पहुँचने में कठिनाई है। अतः भागेला फला में प्रा. वि. खोलना नितान्त आवश्यक है। 67 नामांकन संभावित हैं।

रा. गां. गेहुँवाड़ा के नागेला फला [ज. सं. 366] निकटतम प्रा. वि, पुनाली 4 किमी दूर हैं। दूरी को देखते हुए वहाँ प्रा. वि. स्थापित किये जाने को आवश्यकता प्रतीत होती है। संभावित नामाँकन 49 हैं।

रा गाँ. पाँतलीं में निम्न फले हैं— सामारेट फला [284], कमलोता फला [661], बीडा फला [119], फुटी तलाई [238], पाँतली खास [284]। इनमें से कमलोता फले में उ० प्रा० वि० पाँतली हैं। सामारेट फला [235] के निकटतम विद्यालय उ० प्रा० वि० पाँतली हैं जो 3 किमी दूर है। बीच एक नाला भी हैं। अतः वहाँ प्राथमिक विद्यालय अपेक्षित हें। संभावित नामाँकन 58 हैं। इसी प्रकार पाँतली खास (284) से निकटतम प्रा० वि० पुनाली हैं जिसकी दूरी 2 किमी है। जन संख्या एवं दूरी को देखते हुए वहाँ प्रा० वि० की अ.वश्यकता प्रतीत होती है। संभावित नाम.कन 63 हैं।

2 पं0 कोलखण्डा

पंचायत कोलखण्डा में निम्नानुसार राजस्व गांव है—

कोलखण्डा खास, कोलखण्ड़ा पाल, जोगीवाड़ा। रा. गा· कोलखण्डा खास (745) में कोई फला नही। इसमें उच्च प्राथमिक विद्यालय है। रा० गां० जोगीवाड़ा में निम्न फले हैं- जोगीवाड़ा (630) समोता का ओडा (372), समोंता (379), रामा (328), कुबेरा (179) हैं। इनमें से जोगीवाड़ा में उच्च प्राथमिक विद्यालय हैं, तथा शेष प्रत्येक में प्राथमिक विद्यालय है। रा०-गां० कोलखण्डा पाल में निम्न फले हैं- लेंडिया फला (156); ओड़ा फला (822), पुनेला फला (360 , कालिया हेला (350),

धनेर फला (142), डूगरा फला (561), सुरेला फला ( ), बारी फला (329) हैं।

कोलखण्डा खास में उच्च प्राथमिक विद्यालय है । जोगीबाड़ा में उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा तथा उसके प्रत्येक फले में प्राथमिक विद्यालय है। कोलखण्डा पाल में ओडाफला में उच्च प्राथमिक विद्यालय पाल कोलखण्ड़ा है। शेष फलों में से बारी एवं डूँगरा में प्राथमिक विद्यालय है।

लेडिया फला (156) से निकटस्थ विद्यालय उच्च प्राथमिक विधालय पाल कोलखण्डा है जिसकी दूरी 3 किमी है । बीच में एक बड़ा तालाब भी है । ऐसी स्थिति में वहां प्रायमिक विद्यालय खोलना उचित होगा। नामांकन 80 संभावित हैं ।

पुनेला फला (360) के निकटस्थ बिद्यालय उच्च प्राथमिक बिद्यालय कोलखण्डा खास एवं पाल है। इनकीं दूरी पुनेला से 3 किमी दूर हैं । दूरी को देखते हुए पुनेला में प्राथमिक विद्यालय स्थापित करने की आवश्यकता है । सभावित नामांकन 100 हैं ।

कालिया हेला (350) और धनेर (142) में शिक्षा की सुविधा नही हैं । कालिया हेला कीं कुछ जनसंख्या उच्च प्राथमिक विद्यालय कोलखण्डा खास के निकट है । शेष के लिए वह विद्यालय 2/3 किमी दूर हैं । इसी से सटा हुआ धनेर फला हैं जिसके निकटस्थ विद्यालय प्राथमिक विद्यालय डूँगरा हैं जिसकी दूरी $1\frac{1}{2}$ किमी है परन्तु बीच में नाला होने से वर्षा के दिनों में अवरोध है। कालिया हेला एवं धनेर फला की सीमा पर कालिया हेला के नाम से प्राथमिक विद्यालय खोलना उचित प्रतीत होता हैं । 60 नामांकन की संभावना है ।

3 पं0 पाल माण्डव

पंचायत पाल माण्डव में राजस्व गांव है- पाल माण्डव, (1504) दरा (608), खाण्डा (419), देवली (364) और हड़मतिया (455) ।

राजस्व गांव हड़मतियां में उच्च प्राथमिक विद्यालय पाल माण्डव अवस्थित है । राजस्व गांव दरा में प्राथमिक विद्यालय दराखांडा हैं ।

राजस्व गांव पाल माण्डव में तीन फले है— डूँगरा, मालोता और घटियादरा । इनकी जनसंख्या क्रमशः 787, 443, 274 हैं । डूँगरा में प्राथमिक विद्यालय हैं, परन्तु बस्ती के बीच नाहर मगरा नामक ऊँचा पहाड़ बस्ती को भागों में विभाजित करने के कारण पहाड़ के दूसरी ओर की बस्ती जिसकी जन संख्या अपेक्षाकृत अधिक (483) है, के बालक/बालिकाऐं पहाड़ को लांघ कर विद्यालय नही आ पाते है। यही कारण है कि डूँगरा में 360 बालक/बालिकाओं में से 224 अध्ययनरत नही है । ऐसी स्थिति में पहाड़ के दूसरी ओर की बस्ती में प्राथमिक विद्यालय खोले जाने की नितांत आवश्यकता है । यदि वहां प्राथमिक विद्यालय खोला जाता है, तो संभावित नामांकन 120 होगा। मालोता एवं घटिया दरा में भी प्रा० विद्यालय खोले जाने अपेक्षित है। मालोता का निकटस्थ प्रा० वि० डूंगरा है जो उससे 4 किमी दूर है । बीच में पहाड़ भी हैं । 130 विद्यालय आने योग्य बालक/बालिकाओं में से 30 बालक/बालिकाऐं ही अध्ययनरत है । इसी प्रकार घटिया दरा निकटस्थ विद्यालय समोता का ओडा है (पं० कोलखण्डा) हैं जिसकी दूरी 2 किमी है। इस स्थान के चारों ओर दर्रे एवं नाले होने से बालक/बालिकाओं को समौता का ओडा पहुंचने में कनिठाई होती हैं । मालोता एवं घटिया दरा में प्राथमिक विद्यालय खोलने पर संभावित नामांकन क्रमशः 100 एवं 70 रहेगा ।

राजस्व गाँव देवली (364) एवं राजस्व गांव खाण्डा (419) की जनसंख्या विद्यालय खोलने की दृष्टि से पर्याप्त है । इन गांवों के निकटस्थ विद्यालय प्राथमिक विद्यालय दरा खाण्डा है । देवली एवं खाण्डा से इस विद्यालय की दूरी क्रमश; 4 किमी एवं $2\frac{1}{2}$ किमी हैं । जनसंख्या एवं दूरी को देखते हुए दोनों ही राजस्व गांवों में प्राथमिक विद्यालय की आवश्यकता है। इन गांवों में नामांकन क्रमश; 100 एवं 120 संभावित हैं ।

पंचायत भोजातों का ओडा

इस पंचायत का एक ही राजस्व गांव प्रयोग शाला क्षेत्र में है इसका नाम कालूगामड़ा हैं । इसमें फले हैं– वीकावली (89), रहँट वाला (161), कालियां (49) ननोमा फला (102), होलिया (142) । रहँटवाला में प्राथमिक विद्यालय कालूगामड़ा हैं । इसमें रहँट वाला एवं वीकावली के बालक/वालिका सुविधा से पहुँच पा रहे है, परन्तु ननोमा फला. होलियां कालियां और प्राथमिक विद्यालय कालुगामड़ा के बीच बड़ा नाला पड़ने से उन फलों को विद्यालय पहुँचने में व्यवधान हैं। इन फलों से अन्य विद्यालय प्राथमिक विद्यालय बोकड़ सोल एवं काकरी की दूरी करीब 3 किमी है। अतः होलिया फला एवं ननोमा फला की सीमा पर होलिया फला के नाम से प्राथमिक विद्यालय खोला जाना समीचीन हैं ।

(ब) अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र

क्षेत्र में पांतली, नयागांव, कोलखण्डा खास में अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र है । पं० पुनालो के रा० गांव पुनालो के फले माछलिया [ज० सं० 100] से निकटतम प्रा० वि० की दूरी 4 कि० मी० हैं । दूर्गम एवं पहाड़ी क्षेत्र हैं। अतः वहां अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र की स्थापना समीचीन लगती हैं। संभावित नामांकन 16 है ।

पंचायत पुनालीं के हीं फले बलवणीया एवं गरणा वाटिया में क्रमशः 161 व 76 जनसंख्या हैं। निकटस्थ विद्यालय उच्च प्राथमिक विधालय गेहूंवाड़ा हैं जिसकी इन फलों से दूरी 2 किमी हैं । पहाड़ों एवं नालों के कारण बालक/बालिकाओं को उक्त विधालय तक पहुँचने में कठिनाई है । अतः इन दोनों फलों के बींच अनौ० शि० केन्द्र को स्थापना आवश्यक हैं।

विद्यालयों की क्रमोन्नति

1. उच्च प्राथमिक विद्यालय में क्रमोन्नति

पंचायत पुनाली

वर्तमान में नयागांव में प्राथमिक विद्यालय है जिसमें 152 विधार्थी अध्यगनरत हैं। गांव की जनसंख्या 529 है। आगे अध्ययन हेतु निकटतम सुविधा पुनाली में उपलब्ध हैं जिसकी दूरी 8 किमी हैं। इस विद्यालय के क्रमोन्नत होने से प्राथमिक विद्यालय वाड़ा के विद्यार्थियों को भी आगे अध्ययन हेतु सुविधा निकट उपलब्ध होगी। कक्षा VI में सभावित नामांकन 30 हैं। भवन हेतु जन सहयोग प्राप्त करने की संभावना हैं।

पंचायत पालमाण्डव

राजस्व गांव दरा में प्राथथिक विद्यालय दराखांडा अवस्थित है। इस गांव की जनसंख्या 608 है। इसके आस-पास देवली (364). खांडा (419) और डूँगरा (787) है।

विद्यालय में 153 विद्यर्थी है। निकटतम उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर के शिक्षा की सुविधा हड़मतिया में है जिसकी दूरी 5 किमी हैं। कक्षा VI में 23 नामांकन संभावित है। अतः प्राथमिक विद्यालय दराखांडा को क्रमोन्नत किया जाना अपेक्षित हैं।

2. माध्यमिक विद्यालय क्रमोन्नति

पंचायत पुनाली

बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय में 340 नामांकन है। वैसे पुनाली में माध्यमिक विद्यालय (सहशिक्षा) है जिसमें इस विद्यालय की कुछ छात्राऐं कक्षा IX में प्रवेश लेती है, परन्तु ग्रामीण सोच के कारण कई अभिभावक माध्यमिक बिद्यालय में छात्रों के साथ बालिकाओं को अध्ययन कराना उचित नही समझ कर अपनी बालिकाओं का अध्ययन बद करवा देते है। अतः बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय को बालिका माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नति की आवश्यकता प्रतीत होती है। कक्षा IX में संभावित नामांकन 30 है।

पंचायत कोलखण्डा

कोलखण्डा खास (745) में उच्च प्राथमिक विद्यालय हैं जिसमें 134 विद्यार्थी अध्ययनरत है। पचायत कोलखण्डा में दो और उच्च प्राथमिक विद्यालय है। पाल कोलखण्डा एवं जोगीवाड़ा जिनमें क्रमश: 144 एवं 154 विद्यार्थी है। कीलखण्डा खास, पाल कोलखण्डा एवं जोगीवाड़ा की सम्मिलित जनसंख्या 2759 है। कोलखण्डा खास से निकटतम मा० विद्यालय भासौर में हैं जो 8 किमी. दूर हैं। क्षेत्र की जन संख्या एवं फिडिंग विद्यालयों की सख्या देखते हुए कोलखण्डा खास में अवस्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय को माध्यमिक में क्रमोन्नति की आवश्यकता हैं। कक्षा IX में संभावित नामांकन 30 हैं।

3. सी0 माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नति

माध्यमिक विद्यालय पुनाली में विद्यार्थियों की संख्या 310 है। कक्षा X में 37 विद्यार्थी अध्ययनरत

है । निकटस्थ सी० माइयमिक विद्यालय बनकोड़ा व फलोज हैं जिनकी दूरी क्रमशः 15 व 16 किमी हैं। दूरी के कारण विद्यालय से कक्षा X उत्तीर्ण करने के पश्चात कई विद्यार्थी विशेषकर बालिकाऐं आगे अध्ययन नही कर पाती है । अतः माध्यमिक विद्यालय पुनाली को सी० माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नति उचित जान पड़ती है । इसकी क्रमोन्नत्ति से माध्यमिक विद्यालय दामड़ी के कई छात्रों को निकट अध्ययन की सुविधा उपलब्ध हो सकती है। कक्षा XI में 40 नामांकन होना संभावित हैं ।

सार - संक्षेप

1. प्रयोगशाला क्षेत्र का तथ्यात्मक विवरण

(i) क्षेत्र के 20 विद्यालयों में से 19 विद्याफयों के क्षेत्र का विद्यालय मानचित्रांकन किया गया है।

(ii) इस क्षेत्र में 2725 परिवार तथा जनसंख्या 16054 हैं। 70 % जनसंख्या अ.ज.जा. वर्ग की हैं।

(iii) पहाड़ी क्षेत्र होने से पहाड़ एवं नाले आवागमन में अवरोध प्रस्तुत करते हैं।

(iv) अधिकांश लोग छितरी बस्ती में रहते हैं। मकान पहाड़ियों पर या उनके ढ़लालों पर बने हुए है।

(v) 6–11 आयु वर्ग के कुल 3448 बालक / बालिकाओं में से 2700 (78·3%) नामांकित हैं।

(vi) क्षेत्र में माध्यमिक विद्यालय 1, उच्च प्राथमिक विद्यालय 8, प्राथमिक विद्यालय 12 है।

(vii) 7 विद्य लय स्थित गांवों तक पहूंच हेतु बस सेवा उपलब्ध हैं। शेष तक पहुंच के लिऐ निम्ना- पैदल दूरी तय करनो पड़ती है—

पंदल दूरी (किमी)	विद्यालयों की संख्या
1	2
2	3
3	2
4	1
5	2
6	1
10	1

पहुंच के लिए विद्यालयों तक पक्का मार्ग, 10 विद्यालयों के लिए कच्चे मार्ग और 4 विद्यालयों के लिए पगदण्डी मार्ग की सुविधा है।

(viii) विद्यालय स्थित गांवों में अन्य आवश्यक सुविधाऐं निम्नानुसार उपलब्ध है—

आवश्यक सुविधायें	बिजली	टेलिफोन	पो० ओ०	टी० वी०	जल प्रदाय	चिकित्सा
विद्यालय स्थित गांवों की संख्या जहां सुविधायें उपलब्ध है।	12	2	2	2	3	4

उक्त विवरण से स्पष्ट होता हैं कि विधालय स्थित गांवों में आवश्यक सुविधाओं का अभाव सा हैं।

(ix) आयु वर्ग 15-35 में निरक्षरों की संख्या 1873 हैं जिसमें से 718 साक्षरता केन्द्र पर अध्ययनरत हैं। शेष निरक्षरों को साक्षरता से जोड़ा जाना है।

(x) क्षेत्र में स्थित विद्यालयों के भौतिक संसाधन–

(क) भवन

क्षेत्र के दो विद्यालयों के भवन कच्चे पक्के है । शेष के भवन पक्के है । भवन पक्के होते हुए भी .....% कमरों में पानी टपकता हैं । सभी कमरों में पानी रिसने की स्थिति वाले उच्च प्राथमिक विद्यालय 2 तथा प्राथमिक विद्यालय 6 है । आधे से अधिक कमरों में पानी टपकने की स्थिति वाले उच्च प्राथमिक विद्यालय 4 हैं । एक उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा दो प्राथमिक विद्यालय में पानी नहीं रिसता है ।

(ख) भूमि की उपलब्धता एवं उपयोग

50% विद्यालयों में भूमि उपलब्ध है । उपलब्धता की सीमा 1/2 बीघा से 10 बीघा हैं । उपलब्ध भूमि का उपयोग खेल के मैदान एवं वृक्षारोपण के लिए किया जा रहा है । उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुछ विद्यालयों में थोड़ी बहुत भूमि पहाड़ी होने से पड़त हैं । उच्च प्राथमिक विद्यालय गेहूंबाड़ा में 250 वृक्ष लगे हुए है । प्राथमिक विद्यालय नयागांव व बारी में 100-100 वृक्ष है ।

(ग) पेयजल की उपलब्धता (विद्यालयों की संख्या)

समस्त उच्च प्राथमिक विधालय में पेयजल परिसर में उपलब्ध है । 50% प्राथमिक विद्यालय के लिए पेयजल की उपलब्धता परिसर से दूर है । यह दूरी 1/2 किमी से $1\frac{1}{2}$ किमी की सीमा तक हैं ।

(घ) मुत्रालय की उपलब्धता

4 प्राथमिक विधालय में मुत्रालय नही है । विधालय में बालक/बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक मुत्रालय अपेक्षित है, परन्तु एक उच्च प्राथमिक विधालय को छोड़ शेष सभी उच्च प्राथमिक विधालय सभी के लिए एक ही मुत्रालय हैं । जिन प्राथमिक विधालय में मुत्रालय की सुविधा हैं । उनमें बालिकाओं के लिए पृथक मुत्रालय की व्यवस्था नही हैं ।

(ङ) शौचालय की उपलब्धता

एक उच्च प्राथमिक विधालय में बालक और बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक शौचालय हैं । शेष में सभी के लिए एक शौचालय हैं । आधे प्राथमिक विधालयों में शौचालय नही है जबकि शेष आधे प्राथमिक विधालयों में सभी के लिए एक शौचालय हैं ।

(च) पुस्तकालय हेतु पुस्तकों की उपलब्धता

सभी उच्च प्राथमिक विधालय में पुस्तकालय हेतु पुस्तकें उपलब्ध हैं तथा उनमें से एक को छोड़ शेष में पुस्तकें रखने की सुविधा उपलब्ध है । 50% प्राथमिक विद्यालय में पुस्तकालय हेंतु पुस्तकें उपलब्ध है तथा उनमें से एक में पुस्तकें रखने की सुविधा नहीं है ।

[छ] पत्र-पत्रिकाओं की उपलब्धता

एक उच्च प्राथमिक विधालय में दैनिक पत्र की सुविधा नही है । मासिक पत्रिका सिर्फ दो उच्च प्राथमिक विधालय में आती है । वार्षिक पत्रिका किसी भी उच्च प्राथमिक विधालय को उपलब्ध नही हैं किसी भी प्राथमिक विधालय में किसी भी प्रकार की पत्र-पत्रिका की सुविधा उपलब्ध नही हैं ।

[ज] फर्नीचर की उपलब्धता

सभी उच्च प्राथमिक विधालय में शिक्षकों एवं विधार्थियों के लिए फर्नीचर अपर्याप्त है । अ य

कार्यों हेतु फर्नीचर की पर्याप्त उपलब्धता वाला एक उच्च प्राथमिक विधालय है । प्राथमिक विधालय मे से 3 प्राथमिक विधालय में शिक्षकों के लिए एवं 2 प्राथमिक विधालय में विधार्थियों के लिए फर्नीचर पर्याप्त है । अन्य कार्यो के लिए किसी भी प्राथमिक विधालय में फर्नीचर पर्याप्त नही हैं ।

ज ओपरेशन ब्लेक बोर्ड के अन्तर्गत प्रस्तावित संदर्भ साहित्य सहायक शिक्षण सामग्री एवं अन्य उपकरणों की उपलब्धता

सभी उच्च प्राथमिक विद्यालय में उक्त सामग्री अपर्याप्त हैं । 7 प्राथमिक विद्यालय में सामग्री पर्याप्त है जबकि 2 प्राथमिक विद्यालय में सामग्री अपर्याप्त है। 3 प्राथमिक विद्यालय में सामग्री उपलब्ध नही हैं ।

उपरोक्त विवरण से स्पष्ट हैं कि भौतिक संसाधन की दृष्टि से विद्यालयों क अच्छी स्थिति नही है। शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु विद्यालयों की भौतिक स्थिति सुधारने के प्रयास अपेक्षित है ।

(XI) विद्यालयों में मानवीय संसाधन

अ. शिक्षकों की उपलब्धता

बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय में कोई पुरूष शिक्षक नही है और अन्य उच्च प्राथमिक वि० में से सिर्फ एक में महिला शिक्षिका है । 50% प्राथमिक विद्यालय में ही महिला शिक्षिका हैं। रिक्त पद सिर्फ एक उच्च प्राथमिक विद्यालय हैं। एक उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा पांच प्राथमिक विद्यालय में अतिरिक्त पदों की आवश्यकता है ।

प्रत्येक विद्यालय में पुरूष एवं महिला शिक्षिका दोनों की नियुक्ति आवश्यक है । विद्यालय में आवश्यकतानुसार पदों का सृजन एवं नियुक्ति अपेक्षित हैं ।

ब. विद्यार्थियों की संख्या

प्रत्येक विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या मानदण्डानुसार पर्याप्त हैं । छात्र संख्या की दृष्टि से किसी भी विद्यालय को अनार्थिक नहीं कहा जा सकता है, और न ही किसी विद्यालय को स्थानान्तरित /सम्मिलित करने/बंद करने की आवश्यकता प्रतीत होती हैं।

2. नये शिक्षण संस्थाओं की स्थापना

दूरी, भौगोलिक अवरोधों एवं जनसंख्या की पर्याप्तता को देखते हुए क्षेत्र में निम्नानुसार नयी शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की आवश्यकता प्रतीत होती है-

अ. प्राथमिक विद्यालय

क्र. सं,	स्थान जहां प्रा० वि० खोला जाना अपेक्षित हैं मय जनसंख्या	निकटतम विद्यालय एवं दूरी	खोले जाने का कारण	संभावित नामांकन
1-	भागेला फला (ज.सं. 243) रा. गां. नयागांव पुनाली	प्रा. वि. नयागांव 4 किमी	रास्ते में बड़ा तालाब, दूरी जनसंख्या की पर्याप्तता	67

2-	नागेला फला (ज. सं. 366) रा. गाँ. गेहूँवाड़ा (पं. पुनाली)	प्रा. वि. पुनाली 4 कि मी.	दूरी एवं जनसंख्या की प्रर्याप्तता	
3-	सामरेट फला (ज. सं. 235) रा. गाँ. पाँतली (पं. पुनाली)	उ.प्रा.वि. पाँतली 3 किमी	दूरी एवं जनसंख्या की पर्याप्तता	58
4-	पांतली खास (ज.सं. 284) रा.गां. पांतली (पं. पुनाली)	प्रा.वि. पुनाली 2 किमो	—"—	63
5-	लेडिया फला (ज. सं. 156) रा.गां. पाल कोलखण्डा (पं. कोलखण्डा)	उ प्रा.वि. पाल कोलखण्डा 3 किमी	रास्ते में बड़ा तालाब एवं दूरी	80
6-	पुनेला फला (ज.सं. 360) रा.गां. पाल कोलखण्डा (पं. कोलखण्डा)	उ.प्रा.वि पाल कोलखण्डा कोलखण्डा खास 3 किमी	दूरी एवं पर्याप्त जनसंख्या	100
7-	कालिया हेला (ज. सं. 350) रा.गां. पाल कोलखण्डा फिडिंग धनेरा ज.सं. 142	उ.प्रा.वि. कोलखण्डा खास खास 2–3 किमी	—"—	60
8-	डूँगरा बी. (ज.सं 483) रा.गाँ. पाल माण्डव (पं. पाल माण्डव)	प्रा. वि. डूँगरा 2 किमी	बीच में ऊँचा पहाड़ एवं जनसंख्या की पर्याप्तता	120
9-	मालोता (ज सं. 443) रा गां. पाल माण्डव [पं. पाल माण्डव]	प्रा.वि. डूँगरा 4 किमी	बीच में पहाड़ एवं दूरी	100
10-	घटिया दरा (ज.सं. 274) रा.गां. पाल माण्डव (पं. पाल माण्डव)	प्रा.वि. समोता का ग्रोड़ा (कोलखण्डा) 2 किमी	दूरी एवं जनसंख्या की पर्याप्तता	70
11-	रा.गां. देवली (ज.सं. 364) (पं. पाल माण्डव)	प्रा वि. दराखाण्डा 4 किमी	—"—	100
12-	रा.गां. खाण्डा (ज.सं. 419) (पं. पाल माण्डव)	प्रा.वि. दराखाण्डा 2½ किमी	—"—	120
13-	होलिया फला (ज सं. 142) रा.गां. कालुगामड़ा (पं. भोजातो का ग्रोड़ा) फिडिंग ननोमा फला (ज.सं. 102)	प्रा.वि. बोकड़सोल एवं काकरी 3 किमी	बीच में पहाड़ एवं दूरी	60

LIBRARY & DOCUMENTATION ...
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B, Sri Aurobindo Marg
New Delhi-110016 D-9216
DOC, No ...
Date ... 24-7-96

[ब] अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र

क्र. सं.	स्थान जहां अ. शि. केन्द्र स्थापित किया जाना अपेक्षित है।	निकटतम विद्यालय का नाम व दूरी	खोलने की आवश्यकता का कारण	संभावित नामांकन
1-	माछलिया [ज सं. 100] रा.गां पुनाली (प. पुनाली)	रा प्रा वि पुनाली 4 किमी	दुर्गम एवं पहाड़ी क्षेत्र	16
2-	बलवणिया (ज.सं. 161) रा.गां. गेहूंवाड़ा (प. पुनाली)	उ प्रा.वि गेहूँवाड़ा 2 किमी	पहाड़ एवं नाले	22
3-	गरणा वाटिया (ज सं. 76) रा.गां. गेहूवाड़ा (पं पुनाली)	उ.प्रा वि. गेहूंवाड़ा 2 किमी	पहाड़ एवं नाले	15

(3) विद्यालयों की क्रमोन्नति

(अ) उ. प्रा. विद्यालय में

क्र. सं.	नाम विद्यालय	निकटतम स्तर वाले विद्यालय का नाम व दूरी	क्रमोन्नत किये जाने की आवश्यकता का कारण	नयी कक्षा में संभावित नामांकन
1-	प्रा वि. नयागांव (पं. पुनाली)	रा.मा.वि. पुनाली 8 किमी	दूरी	30
2-	प्रा.वि. दराखाण्डा (पं. पाल माण्डव)	रा.उ प्रा वि. हड़मतिया 5 किमी	दूरी	23

(ब) मा. वि. में

1-	बा.उ प्रा.वि पुनाली	मा. वि. पुनाली	सहशिक्षा विद्यालय में पढ़ाने में संकोच	30
2-	उ.प्रा वि. कोलखण्डा खास	मा.वि. भासौर 8 किमी	दूरी एवं फिडिंग उ.प्रा.वि, 2	30

(स) सी. मा. वि. में

1-	मा. वि. पुनासी	सी.मा.वि. बनकोड़ा व फलोज दूरी क्रमश: 15, 16 किमी	दूरी	40

परिशिष्ठ–1

विद्यालय खोलने एवं क्रमोन्नति हेतु मानदण्ड

1. शिक्षण संस्थाओं की व्यवस्था हेतु

अ. नवीन संस्थाओं की स्थापना

(i) मैदानी क्षेत्र में 250 की जन संख्या एवं पहाड़ी / रेगिस्तानी क्षेत्र में 150 की जनसंख्या वाली बस्तियों/ फिडिंग वस्तियों के लिए 1 किमी की पैदल दूरी के अन्दर प्राथमिक विद्यालय स्थापित किया जाना चाहिये ।

1 किमी की पैदल दूरी के भीतरी द्वितीय प्राथमिक विद्यालय की व्यवस्था तभी की जानी चाहिये जब वर्तमान विद्यालय में 200 से अधिक विद्यार्थी हो ।

(ii) अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र उन सभी क्षेत्रों में खोले जाने चाहिए जहां मानदण्डानुसार प्राथमिक विद्यालय खोलना संभव न हो तथा आयुवर्ग 6–14 वर्ष के कम से कम 15 बच्चे उपलब्ध हो ।

ब. उच्च प्राथमिक विद्यालय में क्रमोन्नति

	मैदानी क्षेत्र	पहाड़ी/रेगिस्तान
(i) बस्ती/फिडिंग बस्ती की जनसंख्या	1,000	500
(ii) विद्यालय/फिडिंग विद्यालयों में नामांकन	150	75
(iii) अन्तिम कक्षा (कक्षा V) में कम से कम नामांकन	20	15
(iv) निकटतम उच्च प्राथमिक विद्यालय से दूरी	3 किमी	2 किमी
(v) खेल मैदान आदि हेतु गांव की जनता द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली भूमि	2 एकड़	1 एकड़
(vi) आपरेशन ब्लेक बोर्ड के अन्तर्गत सुझाई गई सुविधाए		

नोट- [i] जिन प्राथमिक विद्यालयों में प्रयासों के बावजुद भी पिछले दो अकादमिक सत्रों में नामांकन मैदानी क्षेत्र में 30/पहाड़ी या रेगिस्तानी क्षेत्र में 20 से कम रहता है, उन्हें अनार्थिक घोषित कर स्थानान्तरित या अन्य विद्यालयों के साथ सम्मिलित कर दिया जाय।

2. स्टाफ व्यवस्था हेतु

स्टाफ की संख्या निर्धारण सेक्शन्स की संख्या के आधार पर किया जाना अपेक्षित है । सेक्शन्स का निर्माण निम्नानुसार होना चाहिये–

	कम से कम		अधिकतम
	मैदानी क्षेत्र	पहाड़ी/रेगिस्तानी क्षेत्र	
प्राथमिक कक्षाऐं	30	20	40
उच्च प्राथमिक विद्यालय	20	15	40

नोठ- [i] प्राथमिक स्तर पर कक्षा I से V को एक कक्षा मानी जाय ।

[ii] उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर के प्रत्येक कक्षा को अलग अलग माना जाय।

[iii] किसी भी स्तर पर नया सेक्सन तभी खोला जाय अब अधिकतम सीमा से अधिक विद्यार्थी हो ।

स्टाफ की संख्या का निर्धारण-

अ. प्राथमिक विद्यालय के लिए

[i] कक्षा 1-3 वाले प्राथमिक विद्यालय में एक तथा कक्षा 1-5 कक्षा वाले प्राथमिक विधालय में 2 शिक्षक

[ii] नामांकन अधिक होने पर निम्नानुसार शिक्षक हैं—

नामांकन	शिक्षक
70-99	3
100-124	4
125 से अधिक	5

[iii] प्रत्येक अतिरिक्त कक्षा के लिए एक शिक्षक

ब. उच्च प्राथमिक विद्यालय के लिए

[i] प्राथमिक कक्षाओं के लिए उपरोक्तानुसार तथा उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए प्रति कक्षा/वर्ग के लिए एक शिक्षक

]ii] क्रमोन्नति होने पर

प्रथम वर्ष- प्रा० वि० स्टाफ प्र. अ., च. श्र . अ.
द्वितीय वर्ष- 2 अतिरिक्त शिक्षक
(1 सामान्य + 1 शा. शि.)
तृतीय वर्ष- 1 अतिरिक्त शिक्षक
चतुर्थ वर्ष- 1 ,, ,,

प्राथमिक विद्यालय स्टाफ हटाने पर प्रत्येक वर्ग के लिए 1·5 शिक्षक

परिशिष्ठ-2

विद्यालय सूचना प्रपत्र

[स्कूल मेपिंग के सन्दर्भ में]

1- विद्यालय का नाम मय गाँव व पंचायत.....

2- स्थापना / क्रमोन्नति वर्ष.....

3- विद्यालय स्थित गाँव में सुविधाऐं

क– क्या गाँव तक पहुँचने बस सुविधा है ? हो / नहीं

ख– यदि नही तो निकटतम बस स्टेण्ड से पैदल दूरी..... .....किमी.....

ग– गाँव तक पहुँचने हेतु मार्ग – पक्की.....सड़क / कच्ची..... सड़क / पगदण्डी.....मार्ग

घ– गाँव अन्य उपलब्ध आवश्यक सुविधाऐं [ट्रिक करें]

बिजली / टेलीफोन / जलप्रदाय / पोस्ट ओफिस / टी. वी: / अस्पताल / औषधालय

4- अध्यापक मय प्रधानाध्यापक

	1992-93	1993-94	1994-95
क. आवश्यक / स्वीकृत			
ख. कार्यरत पुरुष			
महिला			
योग–			
ग- रिक्त / कम			

नोट- I बिन्दु क में प्राथगिक विद्यालय सम्बन्धित सत्र में छात्र एवं कक्षा आधार पर निर्धारित मानदण्ड अनुसार आवश्यक पद अंकित करें । उच्च प्राथमिक विद्यालय उक्त बिन्दु में मानदण्डानुसार आवश्यक एवं स्वीकृत दोनों की संख्या भिन्न में लिखें– आवश्यक की संख्या / स्वीकृत की संख्या

II बिन्दु ग में प्राथमिक विद्यालय आवश्यक – कार्यरत की संख्या लिखें ।
उच्च प्राथमिक विद्यालय इस यिन्दु में आवश्यक – कार्यरत संख्या अ कित करें ।

स्वीकृत – कार्यरत

5- पिछले तीन वर्षों का नामांकन–

कक्षा	1992-93			1993-94			1994-95		
	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग
1									
2									
3									
4									
5									
6									
7									
8									
योग–									

6- विद्यालय भवन एवं भूमि-

क- विद्यालय भवन का स्वरूप : कच्चा / पक्का / कच्चा / पक्का

ख- छत का विवरण

I- छत हैं पक्की / टीन शेड / खपरैल / आंशिक पक्की

II- क्या वर्षा में पानी टपकता हैं ? हाँ / नही

यदि हाँ, तो कितने कमरों में पानी टपकता हैं ?

ग- कुल कक्ष :

I- कक्षा - कक्ष-

कक्ष क्रमांक	कक्षा जो इसमें बैठती है	कमरे की साईज	छात्र सं०	श्याम पट्ट है/नही
1				
2				
3				

II- जिन कक्षाओं के लिए कक्ष उपलब्ध नही है उनकी संख्या एवं उनके बैठने के लिए वर्तमान व्यवस्था-

छात्र संख्या को देखते हुए कितने कक्ष साईज की दृष्टि से छोटे हैं ?

II अन्य कक्ष-

कक्ष क्रमांक	कार्य जिसके लिए प्रयोग में लाया जा रहा हैं।	साईज

III- कक्षों को आवश्यकता-

-क्या कक्षों की संख्या पर्याप्त हैं ? हाँ / नहीं

यदि तो उनकी आवश्यकता का विवरण—

क्र. सं.	प्रयोजन जिसके लिए कक्ष को आवश्यकता है	संख्या 1

घ- बाउड्री

I बाउण्ड्री है – पूर्ण सत्र की / आंशिक क्षेत्र की

II बाउण्ड्री का स्वरूप – बाड / पत्थर का कोट / तार

ङ- बिधालय भूमि एवं उसका उपयोग—

I उपलब्ध भूमि का क्षेत्रफल————वर्ग मीटर

क्या भूमि विधालय खाते में है ? हां / नही

यदि नही तो उसका कारण एवं तत्सम्बन्धी की गई कार्यवाही का विवरण

II खेल के मैदानों में प्रयुक्त भूमि का क्षेत्रफल.....वर्गमीटर

-किस किस खेल के मैदान है ?

1.....2.....3.....4.....

-क्या वांछित मैदान हेतु भूमि उपलब्ध हैं ! हां / नहीं

III वृक्षारोपण एवं वागवानी में प्रयुक्त भूमि..... वर्गमीटर
परिसर में वृक्षों की संख्या.....

IV शेष पड़त भूमि.....वर्गमीटर और उसका उपयोग नहीं होने का कारण.....

6– विधालय में अन्य आवश्यक सुबिधाएँ—

क– क्या जल का स्रोत कुआ, नल, हैंडपम्प, विद्यालय परिसर या उसके निकट हैं ?
हां / नहीं । यदि नहीं तो जल कितनी दूरी से एवं किस स्रोत से लाना पड़ता है?.....
II जल संग्रह किया जाता हैं – मटकियों में / टंकी में

ख– मूत्रालय की उपलब्धता—
बालकों के लिए / बालिकाओं के लिए / दोनों के लिए एक

ग– शौचालय की उपलब्धता—
बालकों के लिए / बालिकाओं के लिए / दोनों के लिए एक

घ– पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की सख्या एवं उनके रखने की सुविधा

.....

ङ– क्या विद्यालय में वाचनालय की व्यवस्था है ? हाँ / नहीं
–विद्यालय में आने वाली पत्र–पत्रिकाओं की संख्या

दैनिक	साप्ताहिक	पाक्षिक	मासिक	वार्षिक
.....	....	.....	.....	.....

घ– उपकरणों की उपलब्धता—

I ओपरेशन ब्लेक बोर्ड के अन्तर्गत प्रस्तावित न्यूनतम उपकरणों की सूची में वर्णित वस्तुओं के आगे पर्याप्त / अपर्याप्त / नहीं लिखें एवं उक्त सूची को इस प्रपत्र के साथ नत्थी करें।

II उक्त सूची में वर्णित वस्तुओं के अलावा अन्य वांछित उपकरण एवं उनकी संख्या

छ– फर्नीचर—

I क्या शिक्षकों के लिए फर्नीचर पर्याप्त हैं ? हाँ / नहीं
यदि नहीं तो विवरण दें ।

कितने शिक्षकों के लिए फर्नीचर हैं ?	कितने शिक्षकों के लिए फर्नीचर चाहिए ?	फर्नीचर जो चाहिए उसका नाम एवं संख्या

ज– क्या विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर पर्याप्त हैं ? हाँ / नही यदि नहीं तो विवरण दें ।

कितने छात्रों के लिए फर्नीचर उपलब्ध है ?	कितने छात्रों के लिए फर्नीचर चाहिए ?	फर्नीचर जो चाहिए उसका नाम एवँ संख्या

झ- क्या रोकड़ / रेकर्ड / सामग्री रखने के लिए डबल लोक / अलमारियाँ / पेटियाँ पर्याप्त हैं ? हाँ/ नहीं । यदि नहीं तो विवरण दें ।

वस्तु जो चाहिए	संख्या	प्रयोजन

7– आपके विद्यालय की तीन प्रमुख समस्याऐं ? (प्राथमिकता के क्रम में)

1–

2–

3–

8– आपके विद्यालय की तीन प्रमुख बिशेषताऐं (प्राथमिकता के क्रम में)

1–

2–

3–

ह० प्रधानाध्यापक मय सील

परिशिष्ठ-3

प्राथमिक विद्यालय में आवश्यक सामग्री की उपलब्धता

	आवश्यक संख्या	उपलब्धता पर्याप्त अपर्याप्त नही
1- शिक्षक के साधन		
1 पाठयक्रम पुस्तिका	1	
2 पाठयपुस्तके (प्रत्येक कक्षा के लिये)	निर्धारित पाठ्यपुस्तके	
3 अध्यापक दर्शिकाऐ	प्रन्येक पाठयपुस्तक के लिए	
2- कक्षा शिक्षण सामग्री		
1 नक्शे-जिला, राज्य, देश, विश्व	प्रत्येक एक	
2 प्लास्टिक ग्लोब	1	
3 शंक्षिक चार्टस (स्वास्थ्य सामाजिक अध्ययन, भाषा)	15	
3- खिलौने		
1 बिजड़म ब्लोक्स	3 सेट	
2 पशु एवं पक्षी पजल	"	
3 खिलौने (गुडियाऐ, मानव आकृतियां, जानवर, विज्ञान (खिलौना)	2 सेट	
4- खेल के साधन		
1 उछल रस्सी	10 मीटर	
2 वॉल-फुट बॉल	2	
वॉलीबॉल	2	
रबर बॉल	10	
3 वायुपम्प	1	
4 रिंग	5	
5 टायर सहित झुलने की रस्सी	1	
5- प्राइमरी विज्ञान किट	1	
6- छोटा टूल बोक्स	1	
7- गणित किट	1	
8- पुस्तकालय हेतु पुस्तकें		
1 संदर्भ पुस्तकें-शब्दकोष	2	
ज्ञानकोष	1	
2 बच्चों की पुस्तके	200	
3 दैनिक पत्र	1	
4 बच्चों की पत्रिकाऐ	3	

9- विद्यालय घण्टी	1
10- वाद्य यन्त्र	
ढोलक / तबला	1
हारमोनियम	1
मजिरा	2
11- भवन एवं फर्नीचर	
कक्षा कक्ष मय बरामदा	2
मुत्रालय	2
चटाईयां	आवश्यकतानुसार
कुर्सियां	2
टेबल	2
सन्दूक	2
12- श्याम पट्ट	2
13- चाक एवं डस्टर	आवश्यकतानुसार
14- पानी हेतु घड़ा, गिलास आदि	—
15- थ्रेश केन	10

क्र० सं०

शिक्षा के सार्वजनीनीकरण हेतु गृहस्थीवार सर्वेकार्ड

दिनांक

1. पता एवं मकान नम्बर

2. गांव/मोहल्ला

3. सर्वे प्रभारी का स्कूल का पता

4. परिवार के मुखिया का नाम

5. परिवार / मुखिया का व्यवसाय

6. परिवार के सदस्यों की संख्या

पुरुष	महिला	योग

7. अ. जा. / अ. ज. जा. / पिछड़ा वर्ग / अन्य

8. निकटस्थ शाला की दुरी (कि.मी. में)

प्राथमिक विद्यालय.....

उच्च प्राथमिक विद्यालय

अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र

प्रोढ़ पाठशाला

निरक्षर (प्रोढ़ों) का सर्वे प्रपत्र [१५ वर्ष एवं उपर के निरक्षरों का सर्वे]

सं.	नाम	परिवार के मुखिया के साथ सम्बन्ध	आयु	लिंग	वर्तमान व्यवसाय	यदि प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र पर अध्ययनरत हो तो		यदि केन्द्र पर अध्ययनरत न हो तो	
						केन्द्र का नाम	केन्द्र में प्रवेश की दिनांक	न जाने का कारण	साक्षर करने के लिये सुझाव
	2	3	4	5	6	7	8	9	10

पाठशाला जाने योग्य बच्चों का गणना-प्रपत्र

(4 से 14 आयु वर्ग के सभी बालक/बालिका जो कक्षा एक से आठ तक अध्ययनरत हों अथवा न हों शम्मिलित करें।)

क्र. सं.	नाम बालक/बालिक	लिंग	आयु	जन्म दिनांक	विद्यालय अथवा अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र में अध्ययनरत हो तो		विद्यालय या अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र में अध्ययनरत न हों तो					
							परित्याग करने वाले			कभी भर्ती नहीं हुये		
					कक्षा	विद्यालय अथवा केन्द्र का नाम	कक्षा जिसमें परित्याग किया	परित्याग वर्ष	परित्याग का कारण	नामांकन हेतु सुझाव	भर्ती न होने का कारण	नामांकन सुझाव
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

सर्वे सारांश प्रपत्र

प्रपत्र-1

सर्वेकर्ता ..... विद्यालय ..... गांव ..... संकुल ..... पंचायत .....

क्रम सं०	मोहल्ला/फला/ बस्ती का नाम	परिवारों की संख्या	जनसंख्या पुरूष	महिला	योग	अ. जा.	अ. ज. जा.	पिछडा वर्ग	अन्य	निकटस्थ का नाम
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
योग-										

प्रपत्र-2

सर्वेकर्ता ..... विद्यालय ..... गांव ..... संकुल ..... पंचायत .....

क्रम सं०	मोहल्ला/फला/ बस्ती का नाम	कुल पौढ़ निरक्षर (15-35 आयु) पुरुष	महिला	योग	साक्षरता केन्द्र पर अध्ययनरत की संख्या	साक्षरता केन्द्र पर अध्ययनरत नही रहने वालों की संख्या	सुझावानुसार अध्ययन के इच्छुक व्यक्तियों की सं० संख्या जिनके लिए सा०के० की सुविधा उपलब्ध है	संख्या जिनके लिए साक्षरता केन्द्र की व्यवस्था अपेक्षित है	यदि साक्षरता केन्द्र प्रारम्भ किया जाना है तो प्रस्तावित स्थान (प्रति 20 निरक्षर के लिए एक)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
योग-									

प्रपत्र-3

सर्वे कर्ता .... विद्यालय .... गांव .... संकुल .... पंचायत ....

	[illegible]	बालक/बालिकाओं की सं०			अध्ययनरत की संख्या			परित्याग करने बालों की संख्या			कभी भर्ती नहीं हुए की संख्या		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
योग–													

बालक/बालिका की संख्या जिन्हें विद्यालय/अ. शि. के. में भर्ती होने हेतु सुझाव दिया गया		यदि नया प्रा० वि० खोलना आवश्यक हो तो कहां, क्यों एवं सम्भावित छात्र संख्या	यदि अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र खोलना आवश्यक है तो कहां एवं सम्भावित छात्र संख्या
विद्यालय में	अ० शि० के० में		

प्रस्ताव प्रपत्र 1–8 परिशिष्ठ–5

प्रपत्र–1

बस्ती यहां नया प्राथमिक खोला जाना है

गाँव.....पंचायत.....स्कूल.....

क्र. सं.	बस्ती का नाम	बस्ती की जनसंख्या	फिडिंग बस्तियों की जनसंख्या	निकटतम प्रा.वि /उ प्रा वि. का नाम व दूरी	सभी बस्तियों से संभावित नामांकन संख्या	भवन की उपलब्धता	स्थानीय सहयोग सीमा	वि०
1	2	3	4	5	6	7	8	9

प्रपत्र–2

प्रा. वि. की उ. प्रा. वि. में क्रमोन्नति

गाँव.....पंचायत.....स्कूल.....

बस्ती	जनसंख्या	क्रमोन्नत किये जाने विद्यालय का नाम	निकटतम उ.प्रा.वि/ मा.वि./सी.मा वि. का नाम	नामांकन I	II	III	IV	V	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

फिडिंग बस्तियाँ नाम	जनसंख्या	फिडिंग विद्यालय नाम कुल छात्र संख्या	कक्षा V की छात्र संख्या	कक्षा VI में संभावित छात्र संख्या	अति भवन एवं भूमि की उपलब्धता भूमि उपलब्ध है/नहीं	अति भवन की आवश्यकता	जन सहयोग की सीमा एवं प्रकृति	विशेष
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20

प्रपत्र–3

प्रा. वि. / उ. प्रा. वि. का स्थान परिवर्तन

गाँव.....पंचायत.....स्कूल.....

विद्यालय का नाम	अध्यापकों की संख्या	नामांकन	प्रस्तावित स्थान	स्थान परिवर्तन के लिए कारण: जन संख्या/क्षेत्र का वर्तमान करवेज	जनसंख्या/क्षेत्र का भावी कवरेज
1	2	3	4	5	6

प्रपत्र–4

सम्मिलित किये जाने वाले विद्यालय

गांव..... पंचायत..... खंकुल.....

विद्यालय जिसे अन्य विद्यालय में सम्मि लत किया जाना हैं			विद्यालय जिसमें सम्मिलित किया जाना हैं			सम्मिलित करने पर स्थिति	अतिरिक्त आवश्यकता		कारण
नाम	नामांकन	अध्यापक	नाम	नामांकन	अध्यापक	संभावित छात्र संख्या	शिक्षक	भवन	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

प्रपत्र–5

अनार्थिक प्रा. वि./उ. प्रा. विधालय

गांव..... पंचायत..... संस्कुल.....

नाम विद्यालय	स्थापना वर्ष	सत्र जिससे अनार्थिक हो गया	अनार्थिक होने का कारण	शिक्षकों की संख्या	छात्र संख्या	प्रस्ताबित कार्य
1	2	3	4	5	6	7

प्रपत्र–6

अधिशेष/कम स्टाफ वाले विधालय

गांव..... पंचायत..... संकुल.....

क्रम संख्या	नाम विद्यालय	स्वीकृत पद	रिक्त पद	स्वीकृत पदों की संख्मा कम हो तो कारण	अधिशेष पद	अतिरिक्त आवश्यक पद	प्रस्तावित कार्य
1	2	3	4	5	6	7	8

नोट— कक्षावार छात्र संख्या, कक्षावार एवं शिक्षकवार समय विभाग चक्र नत्थी करें ।

प्रपत्र–7

विद्यालय रहित बस्ती अनौ. शिक्षा केन्द्र खोलना

गांव..... पंचायत..... संकुल.....

क्रम सं०	वस्ती	जनसंख्या			निकटतम प्रा० विद्यालय		निकटतम उ०प्रा०वि०/मा. वि./सो. मा वि.	
		कुल	अजा	अजजा	नाम	दूरी	नाम	दूरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9

प्रस्तावित अ. शि. केन्द्र का स्थान	संभावित छात्र सख्या 6-11	11-14	स्थानीय अनुदेशक की उपलब्धता हाँ / नही	प्रस्तावित समय मे	तक	विशेष
10	11	12	13	14	15	16

प्रपत्र-8

1 किमी मे प्रा.वि./3 किमी में उ.प्रा. वि /सैक० होने पर भी अनौ. शिक्षा केन्द्र खोलना

गांव..... पंचायत..... संकुल .....

क्र. सं.	मोहल्ला बस्ती	जनसंख्या			साक्षरता का %	लोगों का मुख्य व्यवसाय
		कुल	अजा	अजजा		
1	2	3			4	5

प्रस्तावित अ. शि. के. का स्थान	प्रस्तावित समय मे	तक	स्थानीय अनुदेशक की उपलब्धता	विशेष
6	7	8	9	10

प्रपत्र 9

साक्षरता केन्द्र की स्थापना

गांव.....पंचायत.....साँकुल .....

क्रम संख्या	मोहल्ला/बस्ती	साक्षरता का %	निरक्षरों (15-35 आयु) की संख्या	प्रस्तावित साक्षरता केन्द्र का स्थान (प्रति 20 निरक्षर पर एक केन्द्र)
1	2	3	4	5

स्थानीय सेवक	विशेष
6	7

LIBRARY & DOCUMENTATION Unit
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No D-9216
Date 24-7-96

प्रयोग शाला क्षेत्र
शिक्षण संस्थाऐं

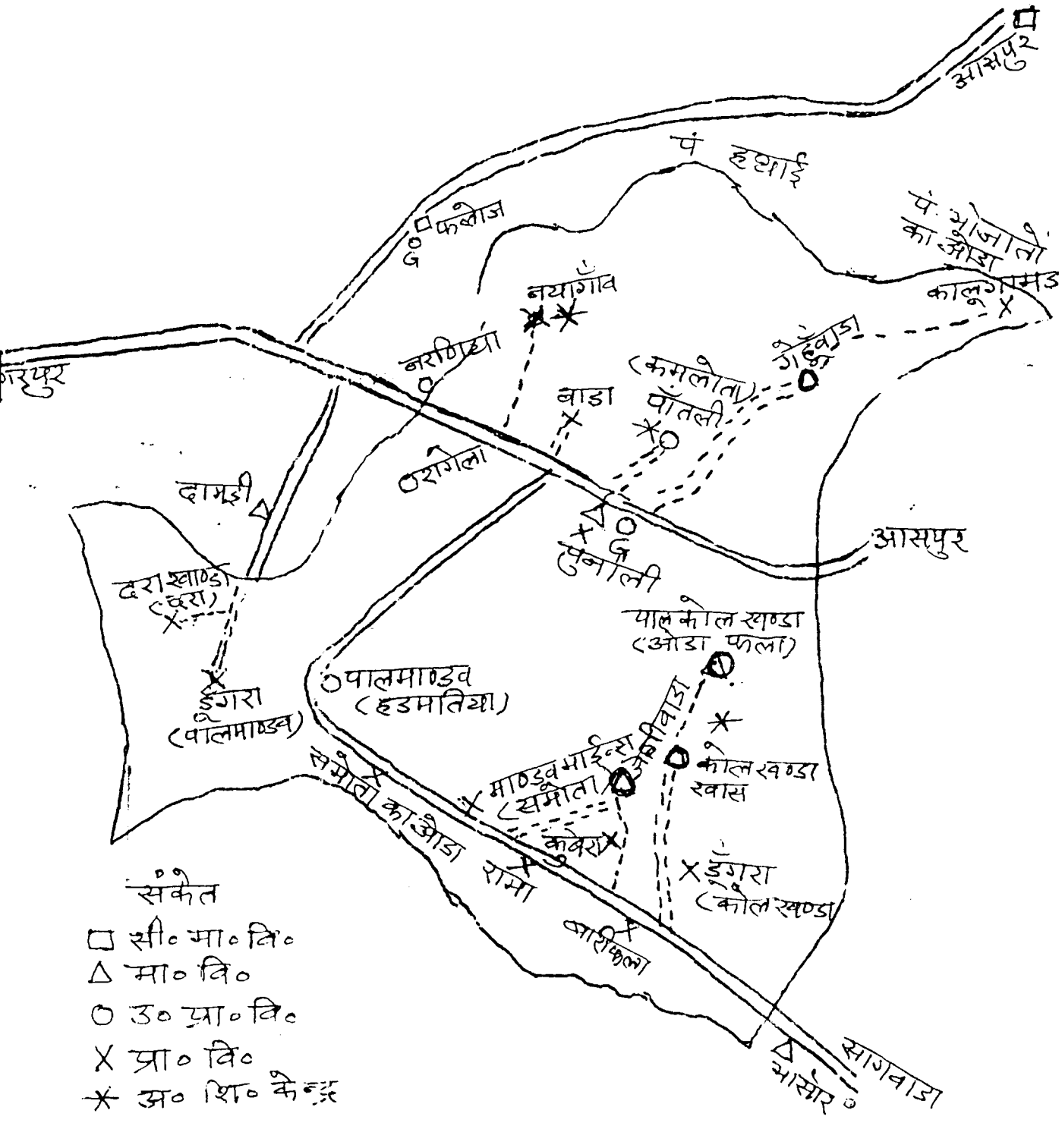

पंचायत पुनाली
पं. भीजातों का ओडा
कालू गामडा
पं० थाई
सामारिट फला 235 H
कमलोता फला 661 H
गमेला फला 243 H
गोहेवाडा V 445 B
भटात फला 113 H
नयागाँव (पाटीदार फला) 174 V
बीडा फला 119 H
फूटी तलाई फला 238 H
नागेला 366 H
पं० रागेला
आडीवाट H
बाडा 719 B
पोंतली खास V 284 B
रतनाटीडा 303 H
आसपुर रोड
पं० आसपुर
डूंगरपुर
पुनाली 2888 B
पं० पाल माण्डव
माछलिया 100 H
पं० कालू खण्डा
N
S

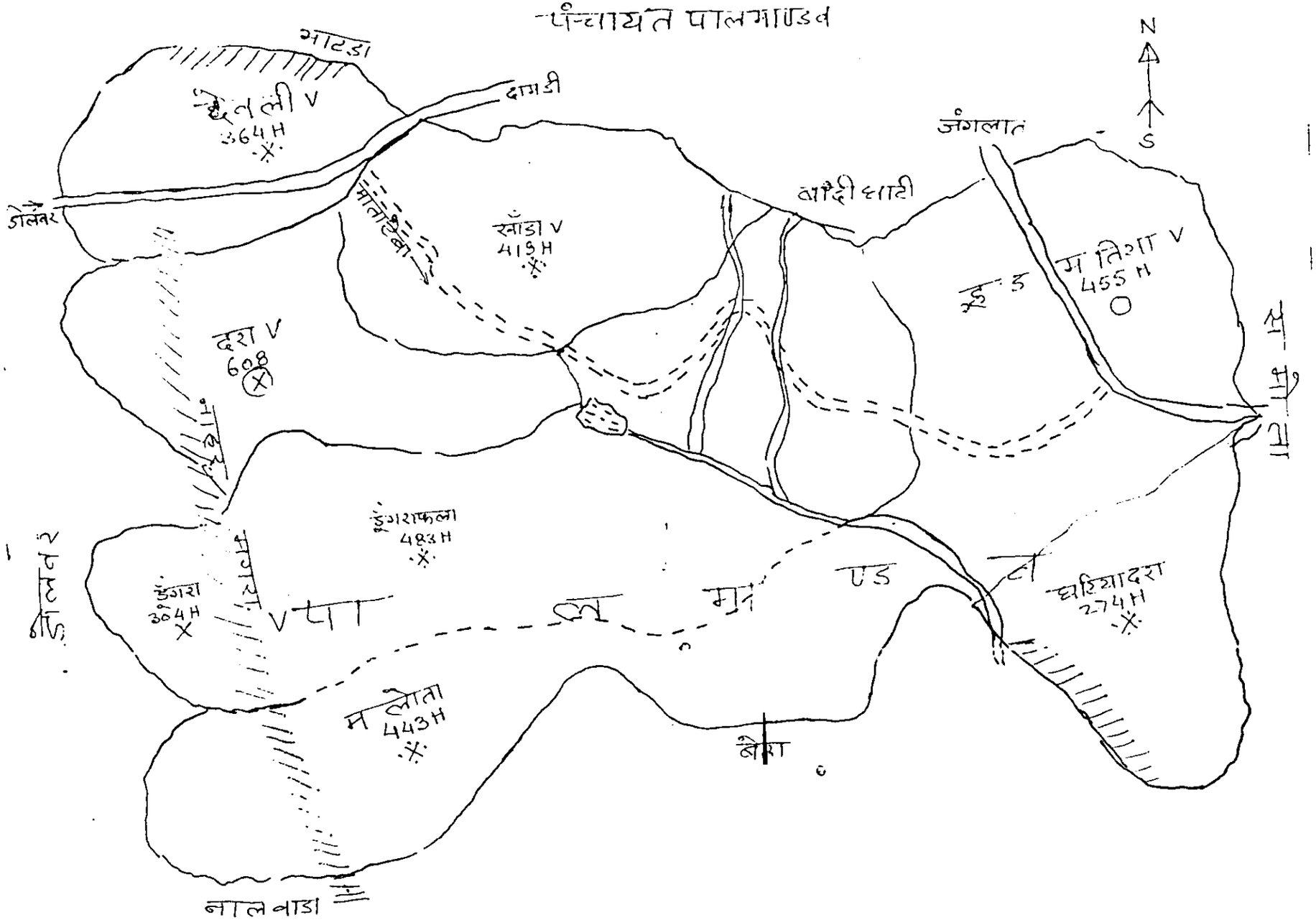

पंचायत पालमाण्डव

N
S
भाटड़ा
दामड़ी
डोलेश्वर
जंगलात
नाल वाड़ा
दरा V
608
रवाँडा V
413 H
455 H
डुंगराफला
483 H
डुंगरा
304 H
घटियादरा
274 H
443 H
364 H
बोरा

पंचायत कोलखण्डा

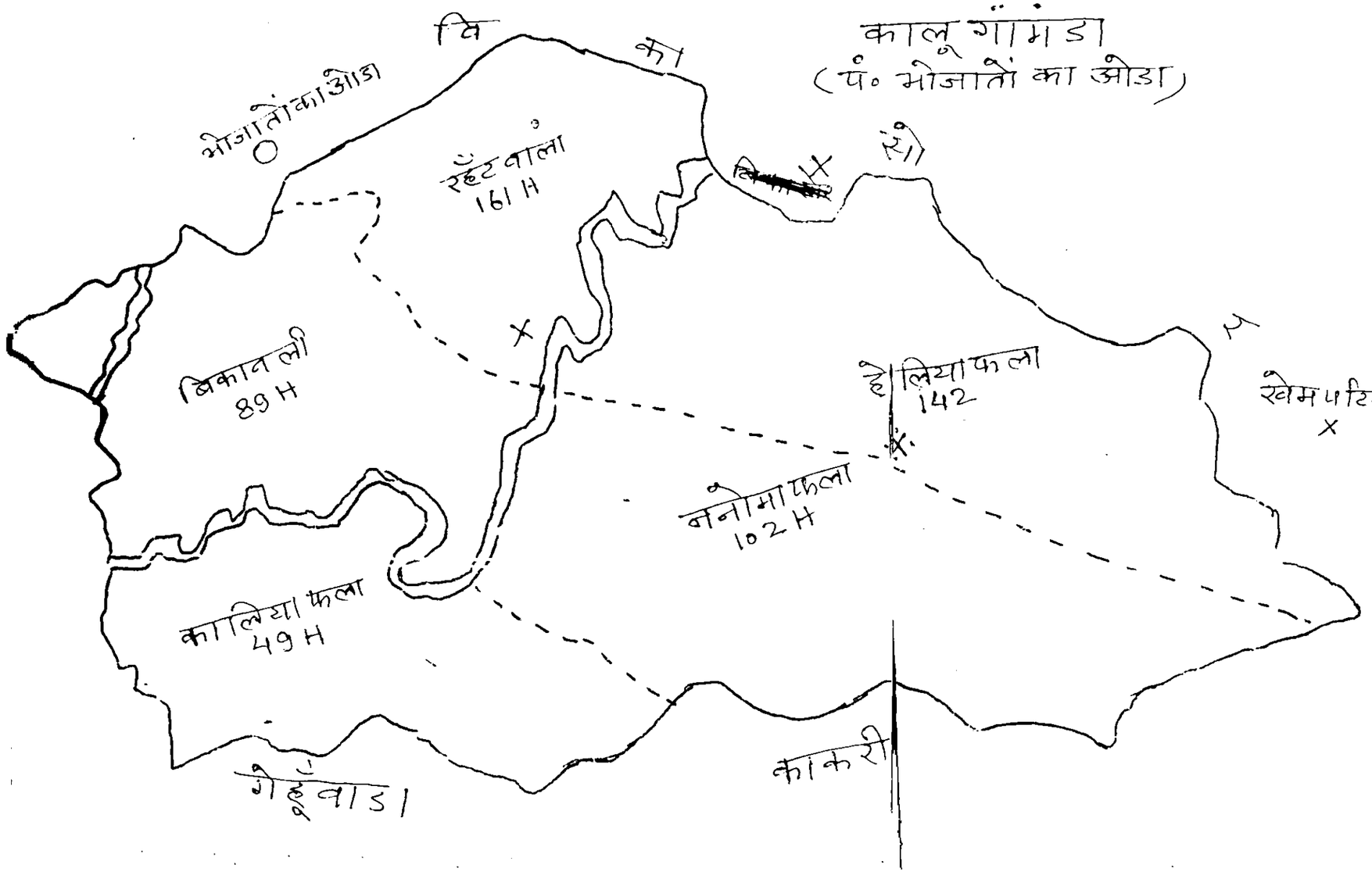

वि
का
सी
भोजातोंकाओडा
कालू गाँमडा
(पं० भोजातों का ओडा)
रहँटवाला
161 H
बिकावली
89 H
होलियाफला
142
खेमपटिया
ननोमाफला
102 H
कालियाफला
49 H
गेहूँवाडा
काकरी

हमारे प्रकाशन

1-	डूँगरपुर जिले के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में भौतिक एवं मानवीय संसाधनों का स्थिति परक अध्ययन	1991-92
2-	जिले में उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं छात्र शिक्षक अनुपात	,,
3-	प्राथमिक विद्यालयों में संसाधन	,,
4-	प्रज्ञा (वार्षिक पत्रिका)	,,
5-	वन्दना	,,
6-	प्रश्न बैंक (प्राथमिक विद्यालय स्तर)	,,
7-	आदर्श विद्यालय योजना	,,
8-	अल्प व्ययी शिक्षण सामग्री कक्षा 3 से 5	,,
9-	प्रश्न बैंक (उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर)	1992-93
10-	प्रधानाध्यापक मार्ग-दर्शिका (प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय)	,,
11-	प्रज्ञा (वार्षिक पत्रिका)	,,
12-	अल्प व्ययी शिक्षण सामग्री (उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर)	,,
13-	अनुसंधान-जिला अनुसंधान वाक पीठ	,,
14-	स्थानीय परिवेश आधारित सदर्भ पुस्तिका	,,
15-	प्रयोग शाला क्षेत्र परिचय, कार्यक्रम एवं अध्ययन	1993-94
16-	अल्प व्ययी सामग्री की सूची एवं क्रिया विधि	,,
17-	प्रज्ञा (वार्षिक पत्रिका)	1994-95
18-	त्रैमासिक प्रकाशन	,,
19-	प्रेरिका	,,
20-	कार्यानुभव संदर्शिका	,,
21-	प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तर पर आधारित सहायक शिक्षण सामग्री	,,
22-	डूँगरपुर जिले में संचालित शिक्षण संस्थाऐं	,,
23-	शोध सरिता	1995-96
25-	डूँगरपुर की निधियां	,,
25-	प्रयोग शाला क्षेत्र का विद्यालय मानचित्रांकन	,,

NIEPA DC
D09216